समय से सबकुछ मिलता है, समय से पूर्व की चाहत ही, दुःख का कारण बनती है।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित | भोपाल, रविवार 30 अगस्त 2026 | वर्ष-37 अंक-05 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए | पेज - 6

ब्रीफ न्यूज

भारतीय गुणवत्ता और परीक्षण सुविधाओं पर बढ़ा वैश्विक भरोसा: प्रल्हाद जोशी

बेंगलुरु। केंद्रीय उपभोक्ता मामले मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत की परीक्षण सुविधाओं, मानकों और गुणवत्ता को आज दुनिया के कई देशों में मान्यता मिल रही है। राष्ट्रीय परीक्षण गृह (एनटीएच) ने वैश्विक स्तर पर विश्वसनीयता हासिल की है और कई देश भारतीय प्रयोगशालाओं की परीक्षण सेवाओं पर भरोसा कर रहे हैं।

बेंगलुरु में शनिवार को राष्ट्रीय परीक्षण गृह के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए जोशी ने कहा कि संस्थान के प्रति अंतरराष्ट्रीय विश्वास लगातार बढ़ रहा है। श्रीलंका, दुबई और भूटान सहित विभिन्न देशों से परीक्षण के नमूने एनटीएच को भेजे जा रहे हैं। यह संस्थान की वैश्विक स्तर की प्रमुख परीक्षण संस्था बनने की क्षमता को दर्शाता है।

मप्र के महाकाल मंदिर को सावन में शीघ्र दर्शन से हुई 14.22 करोड़ की आय

भोपाल/उज्जैन। मध्य प्रदेश में इस वर्ष श्रावण मास के दौरान उज्जैन जिला स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर में आस्था का नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। एक माह के दौरान भगवान महाकाल के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा पहली बार डेढ़ करोड़ के पार दर्ज किया गया है। मंदिर समिति को इस दौरान शीघ्र दर्शन टिकटों और लड्डू प्रसादी की बिक्री से करोड़ों रुपये की रिकॉर्ड आय प्राप्त हुई है।

पुंछ के श्री दशनामी अखाड़ा मंदिर पहुंची छड़ी, श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा सम्पन्न

पुंछ। श्री बूढ़ा अमरनाथ मंदिर में तीन दिन पूर्व स्थापित भगवान शिव और देवी पार्वती का प्रतीक पवित्र चांदी की छड़ी राजगुरु महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मा नंद सरस्वती की अगुवाई में ढोल बाजे के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच पुंछ के श्री दशनामी अखाड़ा मंदिर पहुंची।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों, प्रशासनिक पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पुलिस की तरफ से सलामी व विधिवत पूजन के बाद अगले वर्ष तक मंदिर में स्थापित किए जाने के साथ ही श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा सम्पन्न हो गई।

गुवाहाटी-दिल्ली के बीच चार लेन का रेल मार्ग होगा विकसित: हिमंत बिस्व सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने राज्य में रेल कनेक्टिविटी को लेकर बड़ा ऐलान किया है। शुक्रवार रात एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि गुवाहाटी और दिल्ली के बीच रेल मार्ग को चार लेन में विकसित करने की योजना है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इससे असम और देश के दूसरे हिस्सों के बीच रेल यातायात को गति मिलेगी।

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में सात रेलवे ट्रैक को चार लेन में बदलने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सराईघाट में दूसरे रेलवे पुल के निर्माण का काम जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि रेल मार्गों के विस्तार के बाद असम से देश के अन्य हिस्सों के बीच यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही बढ़ेगी। इससे राज्य की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी और परिवहन व्यवस्था को भी फायदा पहुंचेगा।

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने गर्मजोशी से किया स्वागत, स्वतंत्रता स्मारक पर प्रधानमंत्री ने अर्पित की पुष्पांजलि

ताशकंद में मोदी का भव्य स्वागत, भारत-उज्बेकिस्तान रिश्तों को नई उड़ान

ताशकंद की धरती पर मोदी का दमदार स्वागत, मिर्जियोयेव ने लगाया गले; रिश्तों में नई गर्माहट!

प्रधानमंत्री की उज्बेकिस्तान यात्रा का आज दूसरा दिन, व्यापार-रक्षा से ऊर्जा और डिजिटल सहयोग तक कई मुद्दों पर होगी अहम बातचीत

ताशकंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद पहुंचे। यहां राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मोदी ने राष्ट्रपति के स्वागत के लिए उनका आभार जताते हुए कहा कि उज्बेकिस्तान की उनकी यह चौथी यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों की गहराई और लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि ताशकंद पहुंचने पर राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और इस विशेष भाव के लिए वह उनके आभारी हैं। प्रधानमंत्री ने अपना संदेश उज्बेक भाषा में भी साझा किया।

स्वतंत्रता स्मारक पर अर्पित की पुष्पांजलि

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क स्थित स्वतंत्रता स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मिर्जियोयेव भी मौजूद रहे। सैन्य सम्मान के साथ आयोजित औपचारिक समारोह में प्रधानमंत्री ने स्मारक के समक्ष कुछ क्षण खड़े होकर सम्मान व्यक्त किया।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति मिर्जियोयेव और वहां मौजूद अन्य अधिकारियों से बातचीत की। दोनों नेताओं की मुलाकात को भारत और उज्बेकिस्तान के बीच बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक सहयोग के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

व्यापार से डिजिटल सहयोग तक एजेंडा

प्रधानमंत्री की 29-30 अगस्त को उज्बेकिस्तान यात्रा उनकी इस देश की

चौथी यात्रा है। यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, डिजिटल संपर्क और विकास से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होगी।

दोनों पक्ष भारत के 'विकसित भारत' और उज्बेकिस्तान के 'यांगी उज्बेकिस्तान' के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार करेंगे। आर्थिक संबंधों को विस्तार देने के साथ-साथ दोनों देश नए क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाएं तलाशेंगे।

रणनीतिक रिश्तों को नई दिशा देने की तैयारी

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ऐसे समय हो रही है जब भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सहयोग के नए क्षेत्रों का लगातार विस्तार हो रहा है। दोनों देश राजनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा, ऊर्जा, डिजिटल और सांस्कृतिक क्षेत्रों में संबंधों को नई गति देने पर जोर दे रहे हैं।

मोदी की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संवाद को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। ताशकंद में होने वाली बैठकों में द्विपक्षीय सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों की समीक्षा के साथ भविष्य की साझेदारी का रोडमैप तैयार करने पर भी जोर रहेगा।

खतरे के निशान से 8 मीटर ऊपर नदी, रामघाट की पूरी मार्केट डूबी; तेज धार में पुल बहा, यूपी-एमपी का संपर्क टूटा

मंदाकिनी ने मचाई महातबाही! रामघाट जलमग्न, पुल बहा; गांवों तक पहुंचा सैलाब

चित्रकूट में बाढ़ का भीषण कहर, दर्जनों गांव प्रभावित; झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर आवाजाही बंद, ड्रोन से निगरानी

चित्रकूट। चित्रकूट में शनिवार को मंदाकिनी नदी ने ऐसा रौद्र रूप दिखाया कि घाट, बाजार, सड़क और पुल सब पानी में समा गए। नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के साथ रामघाट पूरी तरह जलमग्न हो गया। रामघाट की मार्केट की दुकानें बाढ़ के पानी में डूब गईं। वहीं मध्य प्रदेश की सीमा से लगे नया गांव में मंदाकिनी पर बना पुल तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया, जिससे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच संपर्क टूट गया।

शाम पांच बजे तक मंदाकिनी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब आठ मीटर ऊपर पहुंच गया था। नदी का पानी लगातार निचले इलाकों की ओर फैल रहा है। हालात को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है।

पुल बहा, यूपी-एमपी का संपर्क टूटा

मंदाकिनी के तेज बहाव ने नया गांव स्थित पुल को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते पुल का हिस्सा पानी के तेज बहाव में बह गया। पुल टूटने से दोनों राज्यों के बीच आवागमन

प्रभावित हो गया है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी है।

जिला मुख्यालय पहुंचने से पहले बने पुल पर भी मंदाकिनी का पानी बह रहा है। कई प्रमुख मार्गों पर पानी भरने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है और चित्रकूट आने-जाने वाले लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

रामघाट की दुकानें पानी में डूबीं

मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ते ही रामघाट और आसपास के निचले इलाकों में पानी तेजी से भर गया। रामघाट का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो चुका है। बाजार की लगभग सभी दुकानें बाढ़ के पानी में डूब गई हैं। बाढ़ का असर धार्मिक गतिविधियों और पर्यटन पर भी पड़ा है। घाटों पर होने वाले धार्मिक अनुष्ठान प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने लोगों से नदी और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से पूरी तरह दूर रहने की अपील की है।

ड्रोन से निगरानी, प्रशासन अलर्ट

बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने ड्रोन कैमरों के जरिए प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी शुरू कर दी है। हवाई तस्वीरों और वीडियो में मंदाकिनी का पानी घाटों, पुलों और आसपास के इलाकों में तेजी से फैलता दिखाई दे रहा है।

डीएम पुलकित गर्ग और एसपी अरुण कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं। दोनों अधिकारी राहत और बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं। सुबह से ही नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट किया गया था।

दर्जनों गांवों पर बाढ़ का खतरा

मंदाकिनी की बाढ़ से रामघाट के अलावा तरौंहा, सीतापुर, पहाड़ी और तिरहार क्षेत्र के दर्जनों गांव प्रभावित हुए हैं। प्रशासन की टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में पहुंचकर हालात का जायजा ले रही हैं और जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

उधर मानिकपुर क्षेत्र में बरदहा नदी के उफान पर आने से पाठा क्षेत्र के कई गांवों में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों को तेज बहाव वाले क्षेत्रों में न जाने और बाढ़ के पानी से दूरी बनाए रखने की सख्त हिदायत दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से की सौजन्य भेंट

प्रदेश की विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं तथा सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों की दी जानकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह को मध्यप्रदेश में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों, नए प्रयासों और उपलब्धियों की भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं और राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की ताजा स्थिति पर भी केंद्रीय मंत्री श्री शाह से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से मध्यप्रदेश की विकास यात्रा को और गति देने के लिए सहयोग की अपेक्षा के साथ मार्गदर्शन प्राप्त किया।

जन-जन में राष्ट्रीयता का भाव जगाना ही संघ का उद्देश्य: डॉ. कृष्ण गोपाल

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का उद्देश्य जन-जन में राष्ट्रीयता और देशभक्ति का भाव जागृत करना है। पिछले 100 वर्षों में संघ ने समाज के वंचित और अभावग्रस्त लोगों की सेवा के साथ राष्ट्रभाव को मजबूत करने का काम किया है। संघ के शताब्दी वर्ष के विभिन्न कार्यक्रमों में अब तक करीब पांच करोड़ लोग सहभागी बन चुके हैं। देशवासियों में संघ को जानने की बढ़ती उत्सुकता को देखते हुए प्रमुख जन संवाद संगोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने शनिवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन भवन में आयोजित प्रमुख जन संवाद संगोष्ठी में कही।

उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण संकट और एक-दूसरे पर वर्चस्व स्थापित करने की होड़ जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत के हिंदू जीवन दर्शन में इन समस्याओं के समाधान का मार्ग है। यह दर्शन सभी के कल्याण की कामना करता है और सभी मत-पंथों के प्रति सहिष्णुता का भाव रखता है। उन्होंने कहा कि हिंदू जीवन दर्शन प्रकृति के प्रत्येक कण में ईश्वर का दर्शन करता है, इसलिए पर्यावरण संरक्षण की भावना भी इसमें निहित है।

रामकृष्ण हेगड़े दूरदर्शी नेता और संस्थाओं एवं नेताओं के निर्माता थे: उपराष्ट्रपति

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत रामकृष्ण हेगड़े महान राजनेता, राष्ट्रवादी और कुशल नेतृत्वकर्ता थे। उन्होंने अनेक नेताओं को तैयार करने के साथ संस्थाओं के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका नेतृत्व में कर्नाटक के सुशासन का एक आदर्श बना था। यह बात उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कही।

बेंगलुरु के विधानसौध में आयोजित रामकृष्ण हेगड़े के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होकर उन्होंने हेगड़े के राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन को याद किया। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण हेगड़े केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि संस्थाओं और नई पीढ़ी के नेताओं के निर्माता थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि महान नेता एक क्षण को बदल सकते हैं, लेकिन महान संस्थाओं के निर्माता पीढ़ियों को बदल देते हैं। हेगड़े के सार्वजनिक जीवन और उनके योगदान को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हेगड़े की ईमानदारी, साहस और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। युवाओं को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए तथा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हेगड़े के मूल्यों और आदर्शों को आगे बढ़ाना ही उनकी विरासत को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

समारोह में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सहित रामकृष्ण हेगड़े के परिवार के सदस्य, मित्र और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भाजपा का राहुल पर पलटवार, कहा-दलित विरोधी रहा है कांग्रेस का इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए राहुल गांधी और उनकी पार्टी को दलित विरोधी बताया। भाजपा प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके युवराज राहुल गांधी का दलित विरोधी चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। शनिवार को अचानक राहुल गांधी पहले किसी घटना को लेकर बयान देते हैं और कई दिनों बाद एफआईआर दर्ज कराने की बात करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर कांग्रेस को किसी घटना की गंभीरता समझने में इतना समय क्यों लगता है? राहुल गांधी किसके इशारे का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार कैसे समाज टूटे, समाज टूटने वाली शक्तियों का साथ दे रहे हैं, और झूठ को आधार बनाकर एक नैरेटिव बनाने का प्रयास करते हैं।

शनिवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब प्रियंका गांधी नामांकन करने गई थीं, तब गांधी परिवार अंदर था और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बाहर खड़े रहे। यही कांग्रेस की कथित सामाजिक न्याय की मानसिकता को दिखाता है। आज कांग्रेस दलित सम्मान और भागीदारी की बात करती है, लेकिन इतिहास गवाह है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर से लेकर बाबू जगजीवन राम तक के साथ कांग्रेस का व्यवहार कैसा रहा। बाबू जगजीवन राम जैसे वरिष्ठ नेता को भी कांग्रेस छोड़नी पड़ी।

एनएएम की 65वीं वर्षगांठ पर बेलग्रेड में किरेन रिजिजू करेंगे भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू 31 अगस्त और एक सितंबर को सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में होने वाली गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के पहले शिखर सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ के उच्चस्तरीय स्मृति कार्यक्रम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक की विषयवस्तु 'गुटनिरपेक्षता की विरासत - आज की दुनिया के लिए सबक' रखी गई है। भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का संस्थापक सदस्य है और आंदोलन के सिद्धांतों एवं मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कायम रखे हुए है।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन में वर्तमान में 121 विकासशील देश शामिल हैं। यह आंदोलन ऐतिहासिक रूप से विकासशील देशों को एक साझा मंच है।

नेपाल-तिब्बत में कुदरत का सबसे खौफनाक चेहरा | **800 मीटर का ग्लेशियर भरभराकर घाटी में गिरा**

800 मीटर का ग्लेशियर टूटा, बर्फ-मलबे संग मौत का सैलाब आया; नेपाल-तिब्बत में मची महातबाही!

682 की मौत, 3 हजार लापता; 287 भारतीय अब भी बेपता, तिब्बत में 400 भारतीय फंसे

काठमांडू/ल्हासा। नेपाल-तिब्बत सीमा पर 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने तबाही का ऐसा मंजर दिखाया है, जिसकी तस्वीरें अब सामने आ रही हैं। इस प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या 682 पहुंच गई है, जबकि करीब 3 हजार लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में 287 भारतीय भी शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं करीब 400 भारतीयों के तिब्बत में फंसे होने की जानकारी सामने आई है। नेपाल और चीन में राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

तीन दिन बाद सामने आया तबाही का वीडियो

बाढ़ की भयावहता के तीन दिन बाद ग्लेशियर टूटने का वीडियो सामने आया है। तिब्बत में एक टूर गाइड रूप ने ऊंचाई से इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड किया। वीडियो में करीब 800 मीटर लंबा ग्लेशियर का हिस्सा अचानक टूटता दिखाई देता है। बर्फ और चट्टानों का विशाल हिस्सा भरभराकर घाटी में गिरता है और कुछ ही क्षणों में नीचे की ओर

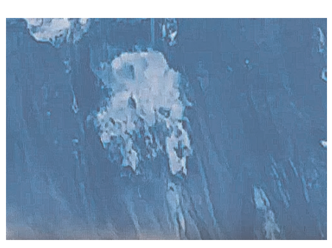

मलबे का सैलाब दौड़ पड़ता है।

ग्लेशियर टूटने के साथ बड़ी मात्रा में पानी और मलबा तेजी से नीचे आया। इसके बाद भूस्खलन ने हालात और बिगाड़ दिए। अचानक आई बाढ़ ने नेपाल-तिब्बत सीमा से लगे कई इलाकों में भारी तबाही मचा दी।

675 मौतें नेपाल में, तिब्बत में 7 की पुष्टि

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक नेपाल में अब तक 675 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि तिब्बत में 7 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। हजारों लोगों के लापता होने से मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। राहत दल नदी, घाटियों और मलबे में लगातार तलाश अभियान चला रहे हैं। आपदा के बाद कई इलाकों में सड़क और संपर्क व्यवस्था प्रभावित हुई है। भारी मलबे और खराब मौसम के कारण रेस्क्यू टीमों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

हाइड्रोपावर सुरंग में जिंदगी की तलाश

नेपाल के नुवाकोट स्थित त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की मलबे में दबी सुरंग में रेस्क्यू टीम को ड्रिलिंग के दौरान शुरुआती सफलता मिली है। टीम सुरंग के ऊपरी हिस्से 'क्राउन' तक पहुंच गई है। अब ड्रिल किए गए रास्ते से कैमरा और ऑक्सीजन अंदर भेजी जा रही है, ताकि सुरंग के भीतर की स्थिति का पता लगाया जा सके और संभावित रूप से फंसे लोगों तक ऑक्सीजन पहुंचाई जा सके।

ब्रीफ न्यूज

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद में ध्यानचंद की 121वीं जयंती खेल दिवस के रूप में आयोजित

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में शनिवार को हॉकी के जादूगर ध्यानचंद की 121 जयंती को खेल दिवस के रूप में मनाया गया।

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम, सचिव कार्यालय नितिन खत्री, सचिव खेल एमसी बालोदी, पूर्व खेल सचिव अनिल अलंग सहित सभी खेल प्रभारियों, खिलाड़ियों, महिलाओं व बच्चों ने परिषद के मशाल परिसर में स्थापित ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में हॉकी के जादूगर की प्रतिमा स्थापित की गई। यह मध्य प्रदेश में हॉकी के जादूगर की स्थापित होने वाली पहली प्रतिमा है।

प्रत्येक कार्मिक को प्रतिदिन 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि पर सर्वोच्च प्राथमिकता दे-केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव ने इस अवसर पर उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कहा कि समस्त विद्युत कंपनियों के कार्मिकों का आह्वान किया कि वे फिट इंडिया मूव्हमेंट के अनुरूप कम से कम एक घंटा खेल के मैदान में बिताएं। उन्होंने कहा कि खेल दिवस पर केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद का ध्येय व संकल्प है कि हर कर्मचारी वर्ष में कम से कम एक खेल से जुड़े और प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट शारीरिक गतिविधि करे। मेश्राम ने कहा कि वर्तमान जीवनचर्या को देखते हुए प्रत्येक कार्मिक को प्रतिदिन 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि पर सर्वोच्च प्राथमिकता देना चाहिए।

हाइवे पर बाघिन को घेरकर खड़े हुए लोग, आक्रोशित होकर राहगीरों की ओर दौड़ी; बाल-बाल बचे लोग

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले से गुजरने वाले एनएच-78 पर शुक्रवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब घुनघुटी वन परिक्षेत्र में ऋभुवन ढाबे के पास जंगल से निकलकर एक बाघिन सड़क पार करती दिखाई दी। बाघिन को देखने के लिए राहगीरों ने अपने वाहन रोक दिए। कुछ ही देर में सड़क के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कई लोग मोबाइल से उसका वीडियो बनाने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ देर तक बाघिन सड़क पार करने के लिए आगे बढ़ती रही। इस दौरान लगातार बढ़ती भीड़ और उसकी ओर किए जा रहे मोबाइल कैमरों के कारण बाघिन का व्यवहार अचानक आक्रामक हो गया। उसने मुंह खोला और लोगों की दिशा में दौड़ लगा दी। बाघिन को अपनी ओर आता देखकर राहगीरों में हड़कंप मच गया और लोग पीछे हटने लगे। हालांकि, बाघिन ने किसी व्यक्ति पर हमला नहीं किया और कुछ देर बाद जंगल की ओर लौट गई।

घटना का वीडियो अब सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो शुक्रवार शाम का है। बाघिन को देखने के लिए बड़ी संख्या में वाहन हाईवे पर रुक गए थे, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान । केंट विधानसभा में मंत्री-अधिकारी आमने-सामने, अस्पताल से जल संयंत्र तक जांची व्यवस्थाएं

जनता के बीच उतरा प्रशासन, सरकारी संस्थानों की खुली पड़ताल

अस्पताल में इलाज, नलों में पानी... हर मोर्चे पर परखी सरकार की 'सेवा'

रांझी सिविल अस्पताल से जल शोधन संयंत्र तक पहुंची टीम, निर्माणाधीन भवन का लिया जायजा; पानी के सैंपल की जांच में पारदर्शिता और समय-सीमा के निर्देश

जबलपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शनिवार को जबलपुर के केंट विधानसभा क्षेत्र में सरकारी व्यवस्थाओं की जमीनी परीक्षा हुई। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की अलग-अलग टीमों ने क्षेत्र में पहुंचकर स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों, राशन दुकानों और छात्रावासों का निरीक्षण किया। सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ वास्तव में लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं, इसकी जानकारी सीधे नागरिकों से ली गई। अभियान के दौरान अधिकारियों ने मौके पर व्यवस्थाएं देखीं और सामने आई समस्याओं के तत्काल निराकरण के निर्देश भी दिए।

इस दौरान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय और नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

सिविल अस्पताल पहुंचकर परखी स्वास्थ्य व्यवस्था

मुख्यमंत्री जन विश्वास यात्रा के दौरान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने रांझी स्थित सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल पहुंचकर उन्होंने उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अस्पताल में उपचार व्यवस्था, आवश्यक सुविधाओं और निर्माण कार्य से जुड़े बिंदुओं पर अधिकारियों से चर्चा की गई।

मंत्री ने अस्पताल के नवीन भवन के निर्माण कार्य का भी मौके पर अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से कहा कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाया जाए। अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा में मरीजों को किसी प्रकार की

परेशानी न हो, इस दिशा में लगातार निगरानी की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

जल संयंत्र में पानी की 'कसौटी'

स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने के बाद मंत्री राकेश सिंह रांझी स्थित जल शोधन संयंत्र पहुंचे। यहां उन्होंने पानी को शुद्ध करने की पूरी प्रक्रिया को देखा और अधिकारियों से संयंत्र की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने संयंत्र में आने वाली शिकायतों, उनके निराकरण और पेयजल की गुणवत्ता की निगरानी से जुड़े इंतजामों के बारे में भी पूछताछ की।

मंत्री ने विशेष रूप से पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए लिए जाने वाले सैंपलों की प्रक्रिया को समझा। अधिकारियों ने उन्हें सैंपल लिए जाने से लेकर उनकी जांच तक की प्रक्रिया की जानकारी दी।

सैंपल में खेल नहीं, हर जांच पर नजर

राकेश सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जल गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल लेने की प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित और पारदर्शी होनी चाहिए। सैंपलों की जांच निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित की जाए और पूरी प्रक्रिया की नियमित निगरानी की जाए।

उन्होंने कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। पानी की गुणवत्ता से सीधे तौर पर लोगों का स्वास्थ्य जुड़ा है, इसलिए जांच व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जनता से सीधे पूछा- कहां है परेशानी?

अभियान की सबसे अहम कड़ी रही नागरिकों से सीधी बातचीत। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने क्षेत्र के लोगों से उनकी समस्याएं और स्थानीय जरूरतें जानीं। सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने की स्थिति और विभिन्न विभागों की सेवाओं को लेकर लोगों की राय भी ली गई।

नागरिकों द्वारा बताई गई समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाते हुए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अभियान के दौरान यह भी प्रयास किया गया कि सरकारी संस्थानों में व्यवस्थाएं केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर भी प्रभावी दिखाई दें।

मैदानी हकीकत जानने निकली सरकार

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के जरिए शासन और प्रशासन को सीधे जनता के बीच पहुंचाकर योजनाओं और सेवाओं की वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास किया जा रहा है। केंट विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को हुए निरीक्षण में अस्पताल, पेयजल, शिक्षा, राशन, आंगनबाड़ी और छात्रावास जैसी मूलभूत सेवाओं को जांच के दायरे में रखा गया।

अभियान का संदेश साफ रहा कि सरकारी योजनाओं और नागरिक सुविधाओं की निगरानी केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहेगी। अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाएं देखेंगे, जनता से फीडबैक लेंगे और सामने आने वाली कमियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

शिक्षा में शाजापुर की बड़ी छलांग, मध्यप्रदेश में तीसरे पायदान पर

शाजापुर। शिक्षा के क्षेत्र में शाजापुर जिले ने एक बार फिर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स फॉर डिस्ट्रिक्ट्स (PGI-D) 2025-26 में शाजापुर ने मध्यप्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जिले को 600 में से 318 अंक मिले हैं। यह उपलब्धि विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार, प्रभावी कक्षा-कक्षीय शिक्षण, शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग के परिणाम के रूप में सामने आई है।

लर्निंग आउटकम और शिक्षण में बेहतर प्रदर्शन

PGI-D के 70 संकेतकों पर आधारित मूल्यांकन में शाजापुर ने आउटकम्स श्रेणी में 290 में से 171 अंक हासिल किए। इस श्रेणी में विद्यार्थियों के लर्निंग आउटकम्स, शिक्षा तक पहुंच तथा शिक्षकों की उपलब्धता और व्यावसायिक विकास जैसे पहलुओं का आकलन किया जाता है। जिले के विद्यार्थियों ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे (NAS) में भी बेहतर प्रदर्शन किया है और कक्षा 3 में मध्यप्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया था।

तीन साल से शिक्षा पर विशेष जोर

पिछले तीन वर्षों से कलेक्टर ऋजु बाफना के नेतृत्व में जिले में शिक्षा को विशेष प्राथमिकता दी गई। स्कूलों की केवल निरीक्षण व्यवस्था पर निर्भर रहने के बजाय मेंटोरिंग, ट्रेनिंग, ट्रैकिंग और नियमित समीक्षा को शिक्षा सुधार की रणनीति बनाया गया। शिक्षकों को लगातार प्रशिक्षण और शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराया गया, जिससे कक्षा-कक्षीय शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर रहा।

शाजापुर ने इफेक्टिव क्लासरूम ट्रांजेक्शन में 90 में से 50 अंक हासिल किए। वहीं गवर्नेंस प्रोसेसेस में 84 में से 46 अंक मिले।

कलेक्टर ऋजु बाफना ने इस उपलब्धि पर शिक्षकों, अधिकारियों और पूरे शिक्षा परिवार को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में तीसरा स्थान गर्व का विषय है, लेकिन यह अंतिम लक्ष्य नहीं है। विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में निरंतर सुधार के लिए प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

दो वाहनों में भीषण टक्कर के बाद लगी आग, जिंदा जला पिक अप वाहन चालक

झाबुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले अंतर्गत थांदला थाना क्षेत्र के एट लेन पहुंच मार्ग पर ग्राम बोरवा के निकट शुक्रवार रात ट्रक और पिकअप वाहन की भीषण टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। इस भीषण अग्नि कांड में पिक अप वाहन का चालक जिंदा जल गया, जबकि ट्रक चालक मौके की नजाकत देखते हुए दुर्घटना स्थल से भाग खड़ा हुआ। हादसे की खबर मिलते ही वहां आसपास के निवासी ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, और तत्काल 112 और फायर

ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड द्वारा बमुश्किल आग पर काबू पाया जा सका। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची, और आरंभिक कार्यवाही के बाद जांच शुरू कर दी गई।

दुर्घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार रक्षाबंधन की आधी रात थांदला थाना क्षेत्र के एट लेन पहुंच मार्ग पर ग्राम बोरवा के निकट ट्रक और पिकअप वाहन के बीच हुई भीषण टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि उसमें घिरे पिक अप वाहन चालक को अपने बचाव का भी मौका नहीं मिला, और वह उस आग में जिंदा जल गया,इधर पिक अप वाहन चालक के जिंदा जलने से हुई मौत के बाद मौके की नजाकत देखते हुए ट्रक चालक वहां से भाग खड़ा हुआ।

सड़क पर लड़ रहे मवेशी से बाइक चवार युवक से टकराया, कंधे की हड्डी टूटी

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में सड़क पर लड़ रहे मवेशियों की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसके कंधे की हड्डी टूट गई। घायल युवक को जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

घायल शहडोल जिले के झिरिया, थाना केशवाही निवासी 26 वर्षीय कमलेश बैगा पुत्र राजू बैगा ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की रात रक्षाबंधन पर बाइक से फुनगा पुलिस चौकी क्षेत्र के मन्टोलिया गांव स्थित अपने ससुराल जा रहे थे। ससुराल से कुछ किलोमीटर पहले सड़क पर मवेशियों का झुंड लड़ रहा था। इसी दौरान दो मवेशी अचानक बाइक की तरफ कूद गए। इससे कमलेश बाइक समेत सड़क पर गिर गए। गिरने के दौरान बाइक का हैंडल कमलेश के कंधे पर जा लगा। इससे उनके कंधे में अंदरूनी चोट आई और हड्डी टूट गई। हादसे के बाद वहां से गुजर रहे बाइक सवारों ने उन्हें सड़क से हटाया और परिजनों को सूचना दी।

सूचना मिलने पर ससुराल से परिजन मौके पर पहुंचे और रात में ही कमलेश को जिला चिकित्सालय अनूपपुर लेकर गए। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच में कंधे की हड्डी टूटने की पुष्टि की है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर सुश्री बाफना ने शाजापुर शहरी क्षेत्रो में विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया

शाजापुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत आज कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने शाजापुर शहरी क्षेत्रो के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्राम सांपखेड़ा में अमृत 2.0 योजना अंतर्गत निर्माणाधीन पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने बाउंड्रीवाल में जगह जगह क्रेक होने पर नाराजगी व्यक्त कर लोक निर्माण विभाग से निर्माण कार्यो की जांच कराने तथा ठेकेदार का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने यहां पार्क की साफ सफाई कराने, पानी निकासी कराने, पेवर ब्लॉक, बाउंड्रीवाल को ठीक कराने, बेंच व झूले उच्च गुणवत्ता के लगाने, निर्माण कार्यों में गुणवत्तायुक्त सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने वार्ड क्रमांक 26 स्थित लाड़ली लक्ष्मी पार्क में पौधा रोपण करने, साफ सफाई, पानी निकासी, बाउंड्रीवाल को ठीक कराने, बेंच व झूले उच्च गुणवत्ता के लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने वार्ड क्रमांक 26 विजय नगर स्थित नाले की साफ सफाई कराकर गहरीकरण कराने, नाले पर जाली लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने वार्ड क्रमांक 27 में संजीवनी क्लिनिक का निरीक्षण किया। कलेक्टर सुश्री बाफना ने निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड अनुसार एवं गुणवत्ता पूर्ण नहीं होने पर ठेकेदार पर ब्लेक लिस्ट की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने खिड़की ठीक करने व जाली लगाने, पानी सीपेज की मरम्मत कराने तथा बाउंड्रीवाल का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने नगर पालिका शाजापुर कार्यालय के पीछे एवं लालघाटी में निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक (OHT) का निरीक्षण कर जल निगम के माध्यम से जांच कराने सहित अन्य निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उज्जैन में गूंजी मालवा की लोक ध्वनि: संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से हुआ माच' का भव्य मंचन

देवर भौजाई नाटक की जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों को बांधा, वरिष्ठ माच साधकों का हुआ सम्मान

उज्जैन। मालवा की समृद्ध एवं ऐतिहासिक लोक नाट्य परंपरा %माच' को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने हेतु संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से उज्जैन के लक्क?गंज (मालीपुरा) स्थित कमेटी हॉल में भव्य %लोकनाट्य महोत्सव' का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन लोक संस्कृति कला समिति, सागर (म.प्र.) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में झलकारी बाई सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, त्रिनेत्रा सांस्कृतिक संस्थान तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर साहित्यिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं

सामाजिक समिति (उज्जैन) का विशेष सहयोग रहा।

पारंपरिक खेल %देवर भौजाई' का मनमोहक मंचन लोक नाट्य महोत्सव के अंतर्गत गुरु बालमुकुन्द द्वारा रचित पारंपरिक माच खेल %देवर भौजाई' की प्रस्तुति हिन्दू विश्राम माच मण्डल, मेंडकवास (देपालपुर, इंदौर) के कलाकारों द्वारा दी गई। माच गुरु बाबूलाल पंवार के निर्देशन एवं सुरेशचन्द्र पंवार के संचालन में कलाकारों ने पारिवारिक मर्यादा, त्याग व मालवी लोक-संस्कृति से ओत-प्रोत कथानक को अपनी ओजस्वी गायकी और संवाद अदायगी से जीवंत कर दिया।

मंच पर भूमिकाएं बाबूलाल पंवार (प्रेमसंतोषी), सुरेशचन्द्र पंवार (राजा), हीरालाल बो?ना व अन्तरलाल पंवार (रानी पाठ), हुकमचन्द्र खट्या (शेरखां), विनोद कटारिया एवं कन्हैयालाल %काना' (दासी) ने निभाई। संगतकार हारमोनियम पर मांगीलाल पंवार एवं ढोलक की थाप पर बाबूलाल राव ने समां बांधा।

मंगला एक्सप्रेस में मचा हड़कंप । खाना खाने के बाद एक-एक कर बीमार पड़े स्कूली बच्चे

पेंट्री का खाना पड़ा भारी! 20 बच्चों की तबीयत बिगड़ी, खंडवा में ट्रेन रोककर चला इलाज

उल्टी, जी मिचलाने और बेचैनी की शिकायत के बाद मची अफरा-तफरी; 40 मिनट स्टेशन पर खड़ी रही मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस, फूड पॉइजनिंग की आशंका

खण्डवा। दिल्ली से केरल लौट रहे स्कूली बच्चों से भरी मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस में शुक्रवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब ट्रेन में खाना खाने के बाद करीब 15 से 20 बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। एक के बाद एक बच्चों को उल्टी, जी मिचलाने और बेचैनी की शिकायत होने लगी। हालत बिगड़ने की सूचना रेलवे अधिकारियों तक पहुंचते ही खंडवा स्टेशन पर मेडिकल टीम को तत्काल तैयार किया गया। ट्रेन के पहुंचते ही डॉक्टरों ने कोच में ही बच्चों की जांच शुरू कर दी और प्राथमिक उपचार दिया।

खाना खाते ही शुरू हुई परेशानी

जानकारी के अनुसार बीमार हुए बच्चे केरल के रहने वाले हैं और एक क्रिश्चियन स्कूल से जुड़े बताए गए हैं। बच्चों की उम्र करीब 15 से 18 वर्ष है। वे स्कूल स्टाफ के साथ शैक्षणिक भ्रमण के लिए दिल्ली गए थे। टूर समाप्त होने के बाद सभी बच्चे ट्रेन से केरल वापस लौट रहे थे।

बताया गया कि इटारसी स्टेशन के बाद बच्चों ने ट्रेन की पेंट्री कार से खाना मंगाया था। खाना खाने के कुछ समय बाद बच्चों ने असहज महसूस करना शुरू किया। पहले कुछ बच्चों को उल्टी और जी मिचलाने की शिकायत हुई, फिर धीरे-धीरे करीब 15 से 20 बच्चे बीमार पड़ गए। बच्चों की हालत बिगड़ते देख ट्रेन में मौजूद स्टाफ ने रेलवे अधिकारियों को सूचना दी।

खंडवा पहुंचने से पहले मेडिकल टीम तैयार

रेलवे को सूचना मिलते ही खंडवा स्टेशन पर डॉक्टरों की टीम को अलर्ट कर दिया गया। मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस रात करीब 9?05 बजे खंडवा रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन रुकते ही स्वास्थ्य और प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल, सीएसपी अभिनव बारंगे, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सहित रेलवे और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मेडिकल टीम ने प्रभावित बच्चों की ट्रेन के भीतर ही जांच की और आवश्यक दवाइयां दीं।

फूड पॉइजनिंग की आशंका

प्रारंभिक जांच में चिकित्सकों ने बच्चों की तबीयत बिगड़ने के पीछे फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई है। हालांकि, बीमारी की वास्तविक वजह की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। बच्चों ने ट्रेन की पेंट्री से खाना लिया था, इसलिए भोजन की गुणवत्ता और उससे संबंधित पहलुओं पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

40 मिनट खड़ी रही मंगला एक्सप्रेस

स्टेशन मास्टर जीएल मीणा के अनुसार, बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना ट्रेन के खंडवा पहुंचने से पहले ही मिल चुकी थी। इसलिए मेडिकल टीम को स्टेशन पर तैयार रखा गया था। ट्रेन के रुकते ही डॉक्टरों ने बच्चों की जांच और उपचार शुरू कर दिया।

करीब 40 मिनट तक ट्रेन खंडवा स्टेशन पर खड़ी रही।

ब्रीफ न्यूज

कोल्ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर युवती से रेप, विरोध पर पीटा

भोपाल। राजधानी भोपाल के कोलार इलाके में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में 22 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी ने युवती को कोल्ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और उसके बाद उसके साथ ज्यादती की। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। जान बचाने के लिए युवती अर्धनग्न हालत में ही निर्माणाधीन इमारत से निकलकर सड़क की ओर भागी। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस की एफआरवी को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता मूल रूप से डिंडोरी जिले की रहने वाली है। वह करीब छह महीने से अपनी दीदी और जीजा के साथ कोलार क्षेत्र की एक निर्माणाधीन साइट पर रहकर मजदूरी कर रही है। शुक्रवार शाम वह अपनी दीदी के साथ परिचितों से मिलने पहुंची थी। इसी दौरान वहां उसकी मुलाकात पूर्व परिचित सत्येंद्र धुर्वे से हुई।

सभी लोगों ने साथ में खाना खाया। इसी दौरान आरोपी ने युवती को कोल्ड्रिंक पीने के लिए दी। पीड़िता का आरोप है कि कोल्ड्रिंक पीने के कुछ देर बाद उसे नशा महसूस होने लगा।

पीड़िता के अनुसार नशे की हालत का फायदा उठाकर आरोपी उसे निर्माणाधीन बिल्डिंग के भीतर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। युवती ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलने के बाद युवती अपनी जान बचाने के लिए बिल्डिंग से बाहर निकली और सड़क की ओर दौड़ने लगी।

बेटी को रात में ऑनलाइन न रहने की समझाइश दी, सुबह कमरे में फंदे पर मिला शव

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र के कृषक नगर, करोंद में किराए के कमरे में रहने वाले 43 वर्षीय हलवाई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान राहुल शर्मा के रूप में हुई है। राहुल की पत्नी और बच्चे छतरपुर स्थित गांव में रहते हैं। उसकी पत्नी गांव में ही नर्स के रूप में काम करती है। घटना के बाद पुलिस ने मौके की जांच की, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

पुलिस के मुताबिक गुरुवार देर रात राहुल ने अपनी 13 वर्षीय बेटी को फोन किया था। उसने बेटी को समझाइश देते हुए कहा था कि इतनी देर रात तक ऑनलाइन मत रहा करो। इसके बाद उसने पत्नी से भी फोन पर बातचीत की। पत्नी से बातचीत के दौरान भी उसने बेटी को समझाने की बात कही थी। परिजनों के अनुसार उस समय राहुल की बातचीत सामान्य थी और किसी तरह की परेशानी के संकेत नहीं मिले थे।

इसके बाद शुक्रवार को दिनभर राहुल की पत्नी और बच्चों से कोई बातचीत नहीं हुई। परिजनों ने इसे उसके काम में व्यस्त होने की वजह माना और ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

शुक्रवार रात पत्नी ने राहुल को फोन किया, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किया। पत्नी ने दोबारा संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन नहीं उठा। शनिवार सुबह भी कई बार कॉल करने के बावजूद राहुल से संपर्क नहीं हो सका। लगातार फोन नहीं उठने पर पत्नी को चिंता हुई और उसने राहुल के परिचितों से कमरे पर जाकर देखने के लिए कहा।

राहुल के परिचित जब उसके किराए के कमरे पर पहुंचे तो अंदर उसका शव फांसी के फंदे पर मिला।

गृह विभाग का बड़ा आदेश । गुप्तवार्ता, साइबर, विशेष सशस्त्र बल, राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल और खेल विभाग में बदली कमान

मध्यप्रदेश पुलिस में फिर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

आईपीएस की कुर्सियां हिलीं, बदलीं अहम जिम्मेदारियां; अंशुमन यादव को गुप्तवार्ता, चंचल शेखर को खेल विभाग

चार वरिष्ठ अफसरों को नई जिम्मेदारियां; अनिल कुमार को अजाक और डी. श्रीनिवास वर्मा को विशेष सशस्त्र बल-राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल का अतिरिक्त प्रभार

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस और प्रशासनिक महकमे में शनिवार को बड़ा बदलाव किया गया। राज्य शासन के गृह विभाग ने भारतीय पुलिस सेवा के चार वरिष्ठ अधिकारियों की नई पदस्थापना और अतिरिक्त प्रभार के आदेश जारी किए हैं। फेरबदल में पुलिस की बेहद संवेदनशील मानी जाने वाली गुप्तवार्ता और साइबर शाखा से लेकर विशेष सशस्त्र बल, राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल और खेल विभाग तक की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

सबसे बड़ा बदलाव 1998 बैच के आईपीएस अधिकारी अंशुमन यादव की जिम्मेदारी को लेकर हुआ है। उन्हें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, गुप्तवार्ता बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, साइबर, पुलिस मुख्यालय का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। अंशुमन यादव की सेवाएं खेल एवं युवक कल्याण विभाग से वापस लेते हुए उन्हें यह नई जिम्मेदारी दी गई है।

अंशुमन यादव के पास अब गुप्तवार्ता और साइबर

अंशुमन यादव अब तक खेल एवं युवक कल्याण विभाग के संचालक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। शासन के नए आदेश के बाद उन्हें पुलिस मुख्यालय में महत्वपूर्ण और संवेदनशील जिम्मेदारी मिली है। गुप्तवार्ता शाखा कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और संवेदनशील घटनाक्रमों से संबंधित सूचनाओं के संकलन और विश्लेषण में अहम भूमिका निभाती है। वहीं साइबर शाखा बढ़ते साइबर अपराधों के बीच पुलिस व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

चंचल शेखर को खेल विभाग की कमान

1995 बैच के आईपीएस अधिकारी चंचल शेखर को अब संचालक, खेल एवं युवक कल्याण विभाग बनाया गया है। उनकी सेवाएं खेल एवं युवक कल्याण विभाग को सौंप दी गई हैं और यह जिम्मेदारी आगामी आदेश तक रहेगी।

चंचल शेखर वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विशेष सशस्त्र बल के साथ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। नए आदेश के बाद उन्हें इन जिम्मेदारियों से हटाकर खेल विभाग की कमान दी गई है।

अनिल कुमार को अजाक का अतिरिक्त प्रभार

1993 बैच के आईपीएस अधिकारी अनिल कुमार अपने वर्तमान पद पर बने रहेंगे। वे वर्तमान में विशेष पुलिस महानिदेशक, महिला सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। अब उन्हें अपने वर्तमान दायित्व के साथ विशेष पुलिस महानिदेशक, अजाक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

इससे महिला सुरक्षा के साथ अनुसूचित जाति कल्याण से जुड़े पुलिस मुख्यालय के महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारी भी उनके पास रहेगी।

श्रीनिवास वर्मा को विशेष सशस्त्र बल और राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल

1997 बैच के आईपीएस अधिकारी डी. श्रीनिवास वर्मा को भी अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, नारकोटिक्स और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विशेष कार्य बल का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं। अब उनके वर्तमान दायित्व के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विशेष सशस्त्र बल और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा।

चंचल शेखर के खेल विभाग में जाने के बाद विशेष सशस्त्र बल और राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल की जिम्मेदारी श्रीनिवास वर्मा को दी गई है।

एक आदेश से कई अहम पदों का नया समीकरण

गृह विभाग के इस आदेश से मध्यप्रदेश पुलिस के कई महत्वपूर्ण विभागों में जिम्मेदारियों का नया बंटवारा हुआ है। अंशुमन यादव को गुप्तवार्ता और साइबर जैसी संवेदनशील जिम्मेदारी मिली है, जबकि चंचल शेखर अब खेल एवं युवक कल्याण विभाग संभालेंगे। अनिल कुमार और डी. श्रीनिवास वर्मा को अतिरिक्त प्रभार देकर प्रशासनिक जिम्मेदारियों का दायरा बढ़ाया गया है।

चारों वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दिए जाने के बाद अब इन विभागों में कार्यप्रणाली और प्राथमिकताओं को लेकर भी बदलाव देखने को मिल सकता है। खासतौर पर गुप्तवार्ता, साइबर और सुरक्षा बलों से जुड़े विभागों में नई कमान का असर पुलिस प्रशासन की आगामी रणनीति में दिखाई देगा।

अब घर बैठे मिलेंगी कई जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं । चौबीसों घंटे और सातों दिन व्हाट्सऐप पर उपलब्ध रहेगी सुविधा

एम्स में मरीजों की बल्ले-बल्ले, घर बैठे मिलेगी डॉक्टर की तारीख से जांच रिपोर्ट तक

व्हाट्सऐप पर ही बाह्य रोगी विभाग की नियुक्ति, आभा पहचान संख्या, छुट्टी का चिकित्सकीय सारांश और जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र की सुविधा

भोपाल। एम्स भोपाल ने मरीजों की सुविधा के लिए एक ऐसी डिजिटल सेवा शुरू की है, जिससे अब अस्पताल की लंबी कतारों और बार-बार आने-जाने की परेशानी से बड़ी राहत मिलेगी। मरीज घर बैठे व्हाट्सऐप के माध्यम से डॉक्टर की नियुक्ति, जांच रिपोर्ट, आभा पहचान संख्या, छुट्टी का चिकित्सकीय सारांश तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र जैसी जरूरी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके लिए मरीजों को अलग से कोई मोबाइल अनुप्रयोग डाउनलोड करने या किसी दूसरी वेबसाइट पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

एम्स की यह सेवा चौबीस घंटे और सातों दिन उपलब्ध रहेगी। अस्पताल प्रबंधन का उद्देश्य मरीजों को एक ही माध्यम से अधिक से

अधिक जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना और अस्पताल में अनावश्यक भीड़ तथा प्रतीक्षा समय को कम करना है।

घर बैठे डॉक्टर की नियुक्ति और समय की जानकारी

नई व्यवस्था के तहत मरीज व्हाट्सऐप के जरिए बाह्य रोगी विभाग में डॉक्टर को दिखाने के लिए नियुक्ति ले सकेंगे। इसके साथ ही उपलब्ध समय और खाली स्थान की जानकारी भी प्राप्त की जा सकेगी। इससे मरीजों को केवल पर्ची या नियुक्ति के लिए अस्पताल आने की जरूरत नहीं होगी।

डिजिटल सुविधा के माध्यम से मरीज आभा पहचान संख्या बनाने या उसे अपनी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी पूरी कर सकेंगे। इससे मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी अभिलेखों को डिजिटल रूप से व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

जांच रिपोर्ट भी सीधे व्हाट्सऐप पर

अब प्रयोगशाला और अन्य चिकित्सकीय जांचों की रिपोर्ट देखने और डाउनलोड करने की सुविधा भी इसी माध्यम से उपलब्ध होगी। मरीजों को रिपोर्ट लेने के लिए अस्पताल के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इससे विशेष रूप से दूर-दराज से आने वाले मरीजों का समय और आने-जाने का खर्च बच सकेगा।

छुट्टी का सारांश और प्रमाण-पत्र भी मिलेंगे

अस्पताल से छुट्टी के समय जारी होने वाला चिकित्सकीय सारांश भी मरीज व्हाट्सऐप पर प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा अस्पताल की ओर से जारी किए जाने वाले जन्म और मृत्यु प्रमाण-पत्र भी इसी माध्यम से प्राप्त और डाउनलोड किए जा सकेंगे।

एम्स की ओर से बाह्य रोगी विभाग और मरीजों से जुड़ी अन्य आवश्यक जानकारी भी व्हाट्सऐप पर उपलब्ध कराई जाएगी।

कतार और प्रतीक्षा समय घटाने की कोशिश

एम्स प्रबंधन के अनुसार, नई सेवा का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि मरीजों को छोटी-छोटी सेवाओं के लिए अस्पताल आने की आवश्यकता कम होगी। नियुक्ति, जांच रिपोर्ट और प्रमाण-पत्र जैसी सुविधाएं डिजिटल माध्यम से मिलने के कारण अस्पताल में मरीजों की भीड़ को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। साथ ही मरीजों के प्रतीक्षा समय में भी कमी आने की उम्मीद है।

'एक व्हाट्सऐप, सभी स्वास्थ्य सेवाएं' की पहल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेन्द्र कोतवाल (सेवानिवृत्त) के निर्देशन में यह सेवा शुरू की गई है। इसका सार्वजनिक परीक्षण संस्करण आम लोगों के लिए उपलब्ध है। एम्स का उद्देश्य 'एक व्हाट्सऐप, सभी स्वास्थ्य सेवाएं' की अवधारणा के तहत मरीजों को जरूरी सेवाएं एक ही माध्यम पर उपलब्ध कराना है।

नई डिजिटल व्यवस्था के लागू होने से मरीजों को अस्पताल की भीड़, लंबी कतार और अनावश्यक आवाजाही से राहत मिलने की उम्मीद है। एम्स की यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुविधाजनक, तेज और मरीज-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इंदौर के पहले एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन को हुए 60 वर्ष

मालवा के विकास का साक्षी 132 केवी पोलोग्राउंड सबस्टेशन

भोपाल। जब इंदौर में औद्योगिक विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही थीं, तब 30 अगस्त 1966 को ऊर्जीकृत हुआ 132 केवी पोलोग्राउंड (चंबल) एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन शहर की ऊर्जा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बना। छह दशक बाद भी यह सबस्टेशन इंदौर महानगर को विश्वसनीय विद्युत पारेषण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपने 60 वर्ष पूरे करने जा रहा यह सबस्टेशन मालवा क्षेत्र के औद्योगिक और शहरी विकास का एक महत्वपूर्ण साक्षी रहा है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि 132 केवी पोलोग्राउंड (चंबल) सबस्टेशन इंदौर की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसने औद्योगिक विस्तार, आर्थिक गतिविधियों और शहरी विकास को आवश्यक ऊर्जा आधार उपलब्ध कराया है। अनेक पीढ़ियों के अभियंताओं और कर्मचारियों के योगदान से यह सबस्टेशन छह दशकों से प्रदेश की पारेषण व्यवस्था को सुदृढ़ बना रहा है।

मालवा के औद्योगिक विकास को दी गति

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) का यह सबस्टेशन प्रदेश के सबसे पुराने एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशनों में शामिल है। मालवा क्षेत्र में यह दूसरा तथा मध्यप्रदेश का पांचवां सबसे पुराना एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन माना जाता है। वर्ष 1966 में स्थापित इस केंद्र ने इंदौर में उच्च गुणवत्ता वाली पारेषण व्यवस्था उपलब्ध कराकर औद्योगिक विस्तार और आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान की।

राशन दुकान पहुंचे कलेक्टर, नमक के पैकेट हाथ में लेकर परखी व्यवस्था

भोपाल। शाहपुरा में शनिवार को आयोजित जनकल्याण शिविर के बाद कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने क्षेत्र में सरकारी व्यवस्थाओं की हकीकत जानने के लिए कई संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। अचानक राशन दुकान पहुंचकर उन्होंने खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था देखी और नमक के पैकेट अपने हाथ में लेकर उनकी गुणवत्ता, पैकिंग तथा उपलब्धता की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सामने आई लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने दो अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

शाहपुरा में लगाए गए जन कल्याण शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। नागरिकों ने राशन, सड़क, सफाई, पेयजल, बिजली और कॉलोनी से जुड़ी अन्य समस्याओं की जानकारी दी। कलेक्टर ने अधिकारियों को लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

शिविर समाप्त होने के बाद कलेक्टर ने मौके पर ही क्षेत्र की वास्तविक स्थिति देखने का निर्णय लिया और विभिन्न सरकारी संस्थानों का निरीक्षण किया।

रक्षाबंधन पर रेलवे की बड़ी सौगात, भोपाल-रीवा और दिल्ली के लिए दौड़ेंगी विशेष ट्रेनें

30 और 31 अगस्त को अतिरिक्त फेरे; 22 डिब्बों वाली ट्रेन से यात्रियों को राहत, कई प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी

भोपाल। रक्षाबंधन पर घर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने भोपाल से रीवा और दिल्ली के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन करने का फैसला लिया है। इससे त्योहार के दौरान नियमित ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ और लंबी प्रतीक्षा सूची से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। भोपाल-रीवा के बीच विशेष ट्रेन एक-एक फेरा लगाएगी, जबकि रानी कमलापति से हजरत निजामुद्दीन के बीच भी विशेष ट्रेन चलाई जाएगी।

भोपाल-रीवा के बीच विशेष ट्रेन

गाड़ी संख्या 02180 रीवा-भोपाल विशेष ट्रेन 30 अगस्त को शाम 6:35 बजे रीवा से रवाना होगी। यह सतना, मैहर, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना और विदिशा होते हुए अगले दिन सुबह 4:30 बजे भोपाल पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02179 भोपाल-रीवा विशेष ट्रेन 31 अगस्त को रात 10:25 बजे भोपाल से रवाना होकर विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर और सतना होते हुए अगले दिन सुबह 7:20 बजे रीवा पहुंचेगी।

दिल्ली के लिए भी विशेष ट्रेन

रानी कमलापति से हजरत निजामुद्दीन के बीच विशेष ट्रेन 30 अगस्त को रात 9:20 बजे रवाना होगी। गाड़ी संख्या 02157 विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर और मथुरा होते हुए अगले दिन सुबह 10:30 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 02158 31 अगस्त को दोपहर 12:10 बजे हजरत निजामुद्दीन से रवाना होगी और मथुरा, ग्वालियर, झांसी, बीना तथा विदिशा होते हुए रात 11:15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी।

22 डिब्बों की होगी ट्रेन

रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन विशेष ट्रेन में कुल 22 डिब्बे लगाए जाएंगे। इनमें सामान्य, शयनयान और वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बे शामिल होंगे। रेलवे ने यात्रियों से त्योहार की भीड़ को देखते हुए समय रहते यात्रा की योजना बनाने और उपलब्धता के अनुसार आरक्षण कराने की अपील की है।

सरकार का बड़ा वार | 1 सितंबर से नया नियम लागू 7 बड़े उपभोक्ताओं के स्टॉक पर कसा शिकंजा, जांच में गड़बड़ी मिली तो होगी कार्रवाई

चीनी की बढ़ती कीमतों और जमाखोरी पर सरकार का बड़ा वार, चीनी का स्टॉक अब 15 दिन से ज्यादा रखा तो कार्रवाई

हलवाई, मिठाई कारोबारी और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों पर सख्ती; जीएसटी आंकड़ों के साथ भौतिक सत्यापन से होगी निगरानी

भोपाल। मध्यप्रदेश में चीनी की बढ़ती कीमतों और जमाखोरी की आशंका के बीच सरकार ने बड़े उपभोक्ताओं के लिए चीनी के भंडारण पर सख्ती कर दी है। केंद्र सरकार के 'शर्करा (थोक उपभोक्ताओं की स्टॉक होल्डिंग लिमिट) आदेश, 2026' के तहत प्रदेश में 1 सितंबर से बड़े उपभोक्ता केवल 15 दिनों की जरूरत के बराबर चीनी का स्टॉक रख सकेंगे। यह व्यवस्था 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

10 मीट्रिक टन खपत वालों पर सीधी नजर

नए नियम उन उपभोक्ताओं पर लागू होंगे जो एक महीने में कम से कम 10 मीट्रिक टन चीनी का इस्तेमाल करते हैं। इनमें मुख्य रूप से हलवाई, मिठाई विक्रेता, कन्फेक्शनरी कारोबारी, शीतल पेय निर्माता, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां और अन्य संस्थागत खरीदार शामिल हैं। ऐसे उपभोक्ता अपनी जरूरत के मुताबिक अधिकतम 15 दिनों का ही भंडार रख सकेंगे। सरकारी संस्थानों को इस व्यवस्था से छूट दी गई है।

कृत्रिम कमी रोकना सरकार का मकसद

सरकार का यह कदम बाजार में कृत्रिम कमी पैदा कर कीमतें बढ़ाने और जमाखोरी पर रोक लगाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बढ़ती कीमतों

के बीच बड़े खरीदारों द्वारा जरूरत से अधिक चीनी जमा करने की स्थिति में बाजार में आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। नई सीमा के जरिए सरकार ने ऐसे भंडारण पर नियंत्रण की कोशिश की है।

अगस्त में 39,692 मीट्रिक टन बिक्री सीमा

इसके साथ ही केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश में अगस्त महीने के दौरान घरेलू खपत के लिए सफेद या परिष्कृत चीनी की बिक्री की सीमा 39,692 मीट्रिक टन निर्धारित की है। इसमें प्रदेश के 22 चीनी संयंत्र शामिल हैं। सरकार ने चीनी की खरीद और बिक्री पर निगरानी के लिए जीएसटी आंकड़ों का इस्तेमाल करने के साथ अधिकारियों को भौतिक भंडार सत्यापन के निर्देश दिए हैं।

जीएसटी आंकड़े बताएंगे कितना खरीदा

चीनी कारोबार में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए खरीद-बिक्री के आंकड़ों की निगरानी जीएसटी के माध्यम से की जाएगी। इसके साथ ही अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर वास्तविक भंडार का सत्यापन किया जाएगा। यानी कागजों में कम और गोदाम में ज्यादा स्टॉक मिलने पर कार्रवाई की स्थिति बन सकती है।

नियम तोड़े तो आवश्यक वस्तु अधिनियम में कार्रवाई

सरकार ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक रखने या नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। इससे बड़े खरीदारों और कारोबारियों पर निर्धारित सीमा के भीतर भंडारण रखने का दबाव बढ़ेगा।

महंगी चीनी के बीच बढ़ा राजनीतिक तापमान

चीनी की कीमतों से जुड़ा यह फैसला ऐसे समय आया है जब महंगाई और आपूर्ति को लेकर चर्चा तेज है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाली चीनी का वितरण अप्रैल से बंद होने और चीनी की कीमतों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी ने भी मुद्दे को गरमा दिया है। ऐसे में नए भंडारण नियमों को सरकार की ओर से बाजार में आपूर्ति और कीमतों पर नियंत्रण रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

बाढ़ की त्रासदी

तिब्बत से लगे नेपाल के रसुवा और आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को आई बाढ़ से बड़े पैमाने पर हुए जान-माल के नुकसान ने सभी को झकझोर दिया है। इस त्रासदी में कई लोगों की जान चली गई, जबकि पांच सौ से ज्यादा लापता हैं, जिनमें सौ से अधिक भारतीय भी शामिल हैं। बाढ़ से कई पुल बह गए और कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रारंभिक अध्ययन रिपोर्टों और उपग्रह से ली गई तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि नेपाल-तिब्बत सीमा के पास पहाड़ी से चट्टानों के खिसकने के बाद बाढ़ आई। यानी यह हिमालय की संवेदनशीलता और उसकी पारिस्थितिकीय प्रकृति को समझने तथा विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने को लेकर एक गंभीर चेतावनी है। बाढ़ की खौफनाक तस्वीरों से यह समझना मुश्किल नहीं है कि जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है, तो मानव सभ्यता उसके आगे बेबस हो जाती है। प्रकृति और मनुष्य का संबंध अत्यंत गहरा एवं परस्पर निर्भरता पर आधारित है और जब इसमें कृत्रिम असंतुलन होता है, तो यह विनाशकारी घटनाओं का कारण बनता है।

खबरों के मुताबिक, सबसे पहले भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आई, जिससे तिब्बत की सीमा से लगे नेपाल के रसुवा और धादिंग जिले प्रभावित हुए। पानी और मलबे का बहाव इतना तेज था कि आसपास के धादिंग, नुवाकोट और चितवन जिले भी इसकी चपेट में आ गए। बाढ़ से लापता भारतीयों में से ज्यादातर तिब्बत में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जा रहे थे। नेपाल के बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग के मुताबिक, पहाड़ी से चट्टानों एवं मिट्टी के खिसकने से नदी अवरुद्ध हो गई और वहां बनी झील के टूटने से भीषण बाढ़ आई। यह त्रासदी इस बात का संकेत है कि हिमालयी क्षेत्र पारिस्थितिकीय रूप से कितना संवेदनशील है। प्रकृति हमें जल, वायु, भूमि, वन और जीवन के लिए आवश्यक अनेक संसाधन प्रदान करती है। मगर विकास और आधुनिक जीवन की दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने के बजाय उसका अंधाधुंध दोहन शुरू कर दिया है। जंगलों की कटाई, पहाड़ों का अतिक्रमण, नदियों के मार्गों में हस्तक्षेप और अनियोजित निर्माण जैसे कार्यों का परिणाम बाढ़ जैसी विनाशकारी त्रासदियों के रूप में सामने आ रहा है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन नदियों को नेपाल की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा-संभावना की जीवनरेखा माना जाता है, उन्हीं के किनारे बेतरतीब बस्तियां, सड़कें और अन्य ढांचागत संरचनाएं तैयार कर दी गई हैं। विकास आवश्यक है, लेकिन इस क्रम में पहाड़ों की प्रकृति की अनदेखी अंततः जोखिम का विस्तार बन जाता है। जलवायु परिवर्तन ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। मौसम का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ता है, तो कहीं बहुत कम समय में अत्यधिक वर्षा या बादल फटने की घटनाएं बढ़ रही हैं। साफ है कि पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ बाढ़ जैसी त्रासदी को जन्म देती है। बहरहाल, विदेश मंत्रालय का कहना है कि नेपाल में बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों के बचाव और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए वहां की सरकार के साथ लगातार संपर्क एवं समन्वय किया जा रहा है। मगर, इस बाढ़ से नेपाल के साथ लगते बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी खतरा मंडराने लगा है। केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि वहां एहतियाती तौर पर सुरक्षा के माकूल प्रबंध किए जाएं, ताकि किसी तरह के नुकसान से बचा जा सके।

संकट की आहट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सरकार और नागरिकों दोनों के लिए चेतावनी का संकेत है। बीते चौबीस घंटे में यहां 138 नए मामले सामने आए, जिससे कुल प्रभावित लोगों की संख्या 2,446 हो गई है। हालांकि सरकार सतर्क नजर आ रही है और उसकी तैयारियों एवं अधिकारियों की नियमित बैठकों से स्पष्ट है कि स्थिति गंभीर होती जा रही है। मगर सवाल यह है कि स्वाइन फ्लू के छिटपुट मामले पिछले कुछ वर्षों से सामने आते रहे हैं, लेकिन इस बार ऐसा क्या हुआ कि इस बीमारी से पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ रही है? क्या शुरू में इस बीमारी को गंभीरता से न लेने की वजह से इसका प्रसार इतनी तेजी से हुआ है? जाहिर है कि अगर समय रहते लोगों को सचेत करने के साथ ही स्वास्थ्य व्यवस्था के तंत्र को अतिरिक्त सावधानी बरतने के लिए तैयार कर दिया गया होता, तो स्थिति को शुरू में ही नियंत्रित किया जा सकता था। अगर अब भी सरकार की ओर से जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को चुरस्त-दुरुस्त नहीं किया गया, तो जटिल स्थितियां पैदा होंगी, उनसे निपटना आसान नहीं होगा।

निस्संदेह यह समय सभी के लिए सजग रहने का है, क्योंकि देश के अन्य राज्यों में भी स्वाइन फ्लू के मामले सामने आ रहे हैं। दिल्ली के अस्पतालों में इस बीमारी के लक्षणों वाले रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने स्पष्ट किया है कि कोई नया विषाणु नहीं आया है, यह हर साल आने वाली मौसमी बीमारी है। बावजूद इसके आम नागरिकों को भी अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए और चिकित्सकों के परामर्श पर अमल करना चाहिए। स्वच्छता का ध्यान रखने और भीड़भाड़ वाली जगहों से परहेज करने की जरूरत है। शासन-प्रशासन को भी कोरोनाकाल के कटु अनुभवों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली और दूसरे राज्यों के अस्पतालों में दवाइयों एवं चिकित्सकों की पर्याप्त व्यवस्था करनी होगी, ताकि मरीजों के उपचार में किसी तरह की कमी न रहे। इसके साथ ही आम लोगों को बचाव के उपायों और उचित समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के संबंध में जागरूक करने की भी जरूरत है।

व्यवस्था में जवाबदेही की दरकार

आज देश में ज्यादातर जगहों पर व्यवस्था भ्रष्टाचार में उलझी हुई नजर आती है। इसे जड़ से खत्म करने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन उन्हें हकीकत में बदलने की इच्छाशक्ति गौण है।

सुरेश सेठ

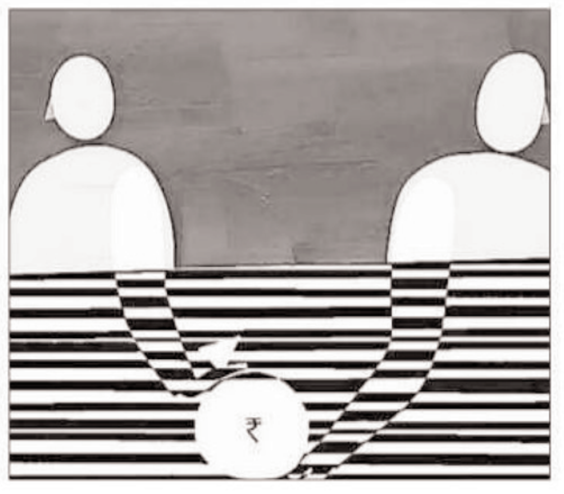

भारतीय राजनीति के चेहरे को पहचानना अब आसान नहीं है। नेता जब चुनाव मैदान में उतरते हैं, तो उनके खास नारों में भूख मिटाने और बेरोजगारों को नौकरियां देने के वादे शामिल रहते हैं। भ्रष्टाचार खत्म कर देने के भी पुरजोर दावे होते हैं। मगर जब वे सत्ता में आते हैं, तो इन सभी मुद्दों पर चुप्पी साध लेते हैं। विचित्र बात यह है कि पद संभालते ही उनका एक प्रिय संदेश होता है कि भ्रष्टाचार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तब जिस लोक कल्याणकारी व्यवस्था की कल्पना वे प्रस्तुत करते हैं, उसमें किसी को भी भूख से न मरने देने की गारंटी तो होती है, लेकिन नौकरियां देने का कोई संकल्प नहीं होता। यह विडंबना नहीं, तो और क्या है। देश को डिजिटल और कृत्रिम मेधा में सर्वश्रेष्ठ बना देने की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, लेकिन महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक नहीं होंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। सत्तारूढ़ नेताओं के प्रिय वाक्यों में एक यह भी रहता है कि इस बार बरसात का सामना करने के लिए हम तैयार हैं। जनता को आवागमन में कोई दिक्कत नहीं होगी। जलभराव को रोकने और जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए सभी उपाय कर लिए गए हैं। मगर हकीकत में ऐसा कुछ भी नहीं होता। कुछ घंटों की बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। ज्यादातर रास्तों पर बने गड्ढे अंधे कुएं में बदल जाते हैं।

हरियाणा का गुरुग्राम औद्योगिक और व्यावसायिक दृष्टि से आधुनिक है। यहां भी यह हाल है कि पिछले दिनों दो घंटे की तेज बारिश से इलाका जलमग्न हो गया। इससे पता चलता है कि हमारी व्यवस्था किस कदर विफल है। देश भ्रष्टाचार के दलदल में अगर डूबा है, तो इसके लिए जिम्मेदार वे नेता हैं, जो यह दावा करते आए हैं कि भ्रष्टाचार को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और फिर उसे होने देते हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में कुछ नेता अवश्य पकड़े जाते हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं पाया गया कि किसी को बड़ी सजा दी गई हो और उसका दूरगामी प्रभाव पड़ा हो। दूसरी ओर, राज्य सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए नियम बनाती हैं, लेकिन जब वे असुविधा पैदा करने लगते हैं, तो भ्रष्ट आचरण शुरू हो जाता है। हर फाइल को आगे बढ़ाने के लिए चांदी के पहिए लगाए जाते हैं। इनको ढोने वाले बीच के लोग भी इस संस्कृति के वाहक बन जाते हैं। इस लिहाज से देखें, तो मानसून में जलभराव न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि भ्रष्ट तौर-तरीके अपनाने वाले तंत्र की कलई भी खोलते हैं।

एक उदाहरण उत्तर प्रदेश से लिया जा सकता है। यहां 4,200 करोड़ रुपए की लागत से 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन कुछ समय पहले हुआ था। तब इसे राज्य में आवागमन के लिए बड़ी उपलब्धि बताया गया था। यह भी कहा गया कि इस मार्ग से यात्रा करने में समय की बहुत बचत होगी। मगर जब बारिश हुई, तो जिस एक्सप्रेस-वे को वर्षों तक चलना था, वह एक महीने में ही धंस गया। दावा किया गया कि राजमार्ग आधुनिक तरीके से बनाया गया है। यह भी कहा गया कि अमेरिका और जर्मनी के बाद भारत में पहली बार नई तकनीक से सड़क बनी है। मगर क्या वजह रही कि इस मार्ग पर बारिश पड़ते ही उन्नाव से लखनऊ के बीच चैंतालीस किलोमीटर के हिस्से में इतनी टूट-फूट हो गई कि चालीस जगह उसकी मरम्मत कराने की जरूरत पड़ गई। आज कहीं से कोई सवाल नहीं उठता। इस बार भी किसी ने नहीं पूछा कि जिस सड़क को मजबूत बनाने का दावा किया गया था, वह निर्माण के एक महीने से भी कम समय में कैसे खराब हो गई? किन ठेकेदारों ने इसे बनाया और किन अधिकारियों ने इसके गुणवत्तापूर्ण निर्माण की मंजूरी दी। सवाल कोई नहीं पूछेगा। कोई पूछ भी लेगा, तो उसे जवाब नहीं मिलेगा। इस मामले में बस इतना भर हुआ कि मरम्मत पूरी होने तक, टोल टैक्स लेना बंद कर दिया गया और ठेकेदार को काली सूची में डाल दिया गया। मगर सवाल यह है कि एक्सप्रेस-वे पर आवागमन शुरू करने के लिए जिन अफसरों ने हरी झंडी दिखाई, उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? हालांकि अब जांच होगी, लेकिन भ्रष्टाचार की कीमत उस जांच को खा जाएगी। यह स्थिति उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि सभी जगह यही हाल है।

> आज देश में विकास के दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन इस क्रम में भ्रष्ट तंत्र ने बाधाएं भी खड़ी की हैं। ऐसी स्थिति में समाधान एक ही है- 'यहां सब चलता है' की मनोवृत्ति को अब बदलना होगा। बिचौलिया संस्कृति को खत्म करना होगा। निर्माण कार्यों का ईमानदारी से निरीक्षण हो। काम पूरा होने का प्रमाणपत्र सभी कसौटियों पर परख के बाद ही दिया जाए। यह निराशाजनक ही है कि ज्यादातर जगहों पर ऐसा नहीं हो रहा है। आज भ्रष्टाचार में जकड़ी हुई व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। यह तभी संभव होगा, जब संबंधित विभागों और उनके आला अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और सख्त नियम बना कर दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। समूचे तंत्र में बुनियादी परिवर्तन अब समय की जरूरत है।

आज जहां भी बारिश होती है, शहरों के नियंत्रण कक्ष में गंदे पानी की आपूर्ति से लेकर जलभराव की शिकायतों का अंबार लग जाता है। यह देश में आम नजारा है कि एक घंटा बारिश होती है और तीन-चार घंटे तक सड़कों पर पानी जमा रहता है। ऐसी तस्वीरें पंजाब से लेकर दिल्ली और बिहार से लेकर मुंबई तक में आमतौर पर दिखाई देती हैं। जलभराव की वजह यह है कि नालों और सीवर की समय पर सफाई नहीं होती। उखड़ी हुई सड़कों की मानसून से पहले मरम्मत नहीं होती। विचित्र बात है कि बरसात के दिनों में ही नई योजनाएं शुरू होती हैं। दूसरी ओर, नदी-नालों से लेकर बांधों तक से गाद नहीं हटाई जाती। अलबत्ता वादे जरूर किए जाते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं किया जाता। इसकी वजह समझना कोई मुश्किल नहीं है।

आज देश में विकास के दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन इस क्रम में भ्रष्ट तंत्र ने बाधाएं भी खड़ी की हैं। जहां-जहां नई बस्तियां विकसित की गईं, उसकी आड़ में नदियों के किनारे अतिक्रमण कर रिहाइशी इमारतें भी बनाई गईं। विकास योजनाओं में लापरवाही बरती गई। नालों की सफाई में घोटाले का नतीजा यह कि बारिश में सड़कें लबालब भर जाती हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण गुरुग्राम में दिखता है। जलंधर, लुधियाना और अमृतसर में तो राजमार्ग तक पानी भर जाता है। व्यवस्था किस कदर भ्रष्ट तंत्र का शिकार हो गई है, इसे इन मामलों से समझा जा सकता है। सवाल है कि अधिकारी समय से पहले काम पूरा होने पर ध्यान क्यों नहीं देते। अगर काम होता भी है, तो उसकी ईमानदारी से निगरानी कर ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं होती?

आज अधिकतर राज्यों में गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें आम हैं। इस मामले में हर शहर में मनमानी और लापरवाही बरती जाती है। ठेकेदारों की सांठगांठ किसी से छिपी नहीं है। ठेका लेने वालों ने ईमानदारी से काम किया या नहीं, कहीं घटिया सामग्री का इस्तेमाल तो नहीं हुआ, इसकी किसी स्तर पर जांच नहीं होती। जब शिकायतें बढ़ जाती हैं, तब अधिकारी जागते हैं। मगर इससे पहले काम पूरा होने का प्रमाणपत्र ठेकेदारों को मिल चुका होता है। नतीजा यह कि अधूरे और लापरवाही से किए गए कार्यों को जनता झेलती है। ऐसी स्थिति में समाधान एक ही है- 'यहां सब चलता है' की मनोवृत्ति को अब बदलना होगा। बिचौलिया संस्कृति को खत्म करना होगा। निर्माण कार्यों का ईमानदारी से निरीक्षण हो। काम पूरा होने का प्रमाणपत्र सभी कसौटियों पर परख के बाद ही दिया जाए। यह निराशाजनक ही है कि ज्यादातर जगहों पर ऐसा नहीं हो रहा है। आज भ्रष्टाचार में जकड़ी हुई व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। यह तभी संभव होगा, जब संबंधित विभागों और उनके आला अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और सख्त नियम बना कर दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। समूचे तंत्र में बुनियादी परिवर्तन अब समय की जरूरत है।

यादों का झरोखा

सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

वे दिन जो छिटक कर पीछे छूट गए हैं, वे कहीं मरते नहीं। वे बस मन की किसी भीगी हुई अलमारी के कोने में चुपचाप बैठ जाते हैं, जहां धूल तो जमती है, पर समय का पानी उन्हें धुंधला नहीं कर पाता। जब कभी आधी रात को गांव के घर की छप्पर से टपकती बूंदों की आवाज याद आती है या किसी पुराने सूटकेस से सूखे हुए गुलाब की महक उठती है, तो शरीर में सिरहन-सी दौड़ पड़ती है। इंसान सब कुछ कमा लेता है, ऊंचे से ऊंचे ओहदे पर बैठ जाता है, चमचमाती गाड़ियों की पिछली सीट पर बैठकर शहर की रोशनियों को निहारता है, लेकिन कहीं एक बच्चा अकेला खड़ा होकर अपनी मां के आंचल की छांव ढूंढ़ रहा होता है।

मनीषियों ने शायद ऐसे ही किसी विरह, ऐसी ही किसी तड़प को याद करते हुए लिखा था- 'जब दिल में पुराने किसी अपने के दूर चले जाने का तीव्र उद्वेग उमड़ता है, तो कंठ रुंध जाता है, आंखें भर आती हैं और कुछ भी साफ दिखाई नहीं देता।' सच ही तो है, हम चाहे जितने आधुनिक हो जाएं, पर अतीत का वह धागा जब खींचा जाता है, तो भीतर से आदमी इस कदर छिल जाता है कि कोई मरहम काम नहीं आता।

वह पुराना घर, जहां धूप भी दीवारों से छनकर बड़े सलीके से आती थी, अब सिर्फ हमारी बंद आंखों में ही सलामत है। उस घर के हर एक कोने में हमारी हंसी के कंकड़ और आंसुओं की नमी बिखरी पड़ी है। मां का वह रसोईघर, जहां सुबह-सुबह जलती हुई लकड़ी का धुआं आंखों में लगता था, पर उस धुएं से उठने वाली रोटियों की गंध पूरी दुनिया के इत्र से बढ़कर थी। पिता की वह पुरानी साइकिल वाला ऐनक का डब्बा, जिसे छूने से भी हम डरते थे, आज जब वह याद आता है, तो लगता है कि काश! एक बार फिर उस डांट को सुनने के लिए सब कुछ न्योछावर किया जा सके। हम कहां भूल पाते हैं? हम तो बस भूलने का ढोंग करते हैं, ताकि दुनिया हमें कमजोर न समझे।

हम दिन भर हंसते हैं। दफ्तरों में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, मुस्कुराकर तस्वीरें खिंचवाते हैं, लेकिन जैसे ही शाम ढलती है और हम अपने अकेले कमरे में पहुंचते हैं, तो वह पुरानी कसक किसी धारदार चाकू की तरह हमारी रूह को चीर देती है। दरअसल, हम सब अपने-अपने हिस्से का अकेलापन जी रहे हैं। वह अकेलापन और कुछ नहीं, वही पुराने दिनों की अधूरी छोड़ दी गई बातें हैं। वे दोस्त, जो कभी एक ही कप चाय को चार हिस्सों में बांटकर पिया करते थे, आज न जाने किन-किन शहरों की बड़ी-बड़ी इमारतों में खो गए हैं। अब उन तक पहुंचने के लिए हमारे पास सिर्फ एक फोन नंबर है, जिस पर कॉल करने से पहले हम दस बार सोचते हैं कि कहीं वह व्यस्त तो नहीं होगा? वह नीम का पेड़, जिसके नीचे हमने न जाने कितने ख्वाब बोए थे, आज शायद काट दिया गया होगा, पर हमारे भीतर उस पेड़ की पत्तियां आज भी खड़खड़ाती हैं। जब कोई बहुत खुशहाल इंसान भी अचानक किसी सुंदर चीज को देखकर या मधुर स्वर को सुनकर अचानक उदास और बेचैन हो जाता है, तो असल में उसका मन बिना जाने ही अपने अतीत के गहरे, अमिट छापों और पुराने आत्मीय संबंधों को याद करने लगता है।

हम जितने बड़े होते जाते हैं, हमारा बचपन हमसे उतना ही दूर एक स्टेशन पर छूट जाता है और हम एक ऐसी ट्रेन में सवार हो जाते हैं, जिसकी कोई वापसी नहीं है। बारिश की वह पहली बूंद, जब मिट्टी पर पड़ती है, तो जो सोंधी खुशबू हवा में घुलती है, वह सीधे खींचकर बचपन के उस आंगन में खड़ा कर देती है, जहां हम नंगे पांव कागज की नाव तैराया करते थे। अब हमारे पास महंगे जूते हैं, पानी से बचने के लिए छतरियां हैं, लेकिन वह बारिश अब कभी वैसी नहीं होती। अब पानी सिर्फ बाहर गिरता है, मन के अंदर सब कुछ सूखा रह जाता है।

दुनिया मेरे आगे

> हम जितने बड़े होते जाते हैं, हमारा बचपन हमसे उतना ही दूर एक स्टेशन पर छूट जाता है और हम एक ऐसी ट्रेन में सवार हो जाते हैं, जिसकी कोई वापसी नहीं है। बारिश की वह पहली बूंद, जब मिट्टी पर पड़ती है, तो जो सोंधी खुशबू हवा में घुलती है, वह सीधे खींचकर बचपन के उस आंगन में लाकर खड़ा कर देती है।

हम शहर के जहर को पीते-पीते इतने सख्त हो चुके हैं कि अब रोना भी चाहें तो आंसू पलकों के किनारे आकर जम जाते हैं। वे बचपन की बातें, मां की गोदी में सिर रखकर सो जाने का वह बेफिक्र सुकून, अब किसी भी कीमत पर वापस नहीं खरीदा जा सकता। जीवन असल में एक लंबा शोक-गीत है, जिसे हम मुस्कुराकर गाने की कोशिश करते हैं। जो चला गया, वह फिर कभी लौटकर नहीं आता, चाहे हम कितनी ही प्रार्थनाएं कर लें, कितनी ही मन्नतें मांग लें। मगर वह बीता हुआ समय हमारे भीतर एक ऐसा घाव छोड़ जाता है, जो कभी भरता नहीं, बस उस पर यादों की एक हल्की-सी परत जम जाती है।

जब भी हवा का कोई झोंका उस परत को हटाता है, तो हम फिर से वही बेबस इंसान बन जाते हैं, जो अपने गुजरे हुए कल के सामने हाथ जोड़े खड़ा रहता है। श्रीमद्भागवत का वह भाव जब उद्धव कृष्ण से विदा लेते हैं, कुछ ऐसा ही है कि जब सब कुछ छूट रहा होता है, तो केवल उस दयालु भाव का ही सहारा बचता है। जिंदगी के इस सफर में हम सब एक-दूसरे से बिछड़ते हुए यात्री हैं, जो अपनी-अपनी पोटली में गुजरे हुए जमाने के कुछ सूखे आंसू और पुरानी हंसी जैसी यादें सहेजकर चल रहे हैं। यादों के झरोखे हमें अतीत के अनुभवों का एहसास कराते रहते हैं। जब तक सांसें हैं, यह टीस बनी रहेगी और जब आंखें बंद होंगी, शायद तभी इस छूटे हुए जमाने से हमारी आखिरी मुलाकात होगी।

भंडारण की चिंता

चीनी के दाम लगातार बढ़ना सरकार के लिए गंभीर चेतावनी है। बीते दो महीनों में चीनी की कीमतों में वृद्धि इस बात का संकेत है कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं के बाजार में केवल मांग और आपूर्ति ही नहीं, बल्कि मौसम, परिवहन लागत, निर्यात नीति और जमाखोरी जैसे अनेक कारक एक साथ असर डाल रहे हैं। सरकार ने चीनी के दामों को नियंत्रित करने के लिए दस लाख टन चीनी आयात करने, कारोबारियों की भंडारण सीमा तय करने और जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई जैसे कदम उठाए हैं। मगर सवाल यह है कि ऐसे कदम संकट गहराने के बाद ही क्यों उठाए गए? सरकार का तर्क है कि चीनी की महंगाई के लिए एथेनाल नीति जिम्मेदार नहीं है। एथेनाल उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले गन्ने का हिस्सा घटा है। इसका लगभग तीन-चौथाई हिस्सा अनाज, विशेषकर मक्के से आता है। यह स्पष्टीकरण अपनी जगह है, लेकिन खाद्य सुरक्षा का प्रश्न केवल एथेनाल तक सीमित नहीं है। सरकार को यह देखना होगा कि देश की जरूरतों के मुकाबले चीनी, गेहूं, चावल, दाल, खाद्य तेल और अन्य वस्तुओं का भंडार है या नहीं?

- विभूति बुपक्या, दिल्ली

जागरूकता की जरूरत

देश में कैंसर तेजी से फैल रहा है। इस बीमारी से सर्वाधिक प्रभावित उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मानता है कि कैंसर के मामलों को जोखिम कारकों पर नियंत्रण रख कर कम किया जा सकता है। इन प्रमुख कारणों में तंबाकू, गुटखा, शराब, असंतुलित खान-पान, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, प्रदूषण और कुछ संक्रमण शामिल हैं। इसके साथ रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग, खाद्यान्नों में रासायनिक अवशेष और दूषित जल तथा मिट्टी के प्रति लंबे समय तक होने वाला संपर्क भी चिंता का विषय है। इसे रोकने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ जन-जागरूकता की भी नितांत जरूरत है। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ भोजन, जैविक एवं कम-रसायन वाली खेती, कीटनाशक अवशेषों की जांच, स्वच्छ जल, प्रदूषण नियंत्रण तथा गांवों में स्वास्थ्य जांच को सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। कैंसर के विरुद्ध असली विजय अस्पतालों में नहीं, बीमारी पैदा होने से पहले उसके कारणों को रोकने में है।

- ओपी चौधरी, रतलाम, मप्र

फैसले पर सवाल

स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार का यह दायित्व होता है कि वह जनता की आवाज सुने। झारखंड में हुए कुछ फैसलों से सवाल उठे हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। राज्य में फिलहाल दो हजार से अधिक लोगों की नौकरियां खतरे में हैं। इससे कार्यालयों में कामकाज प्रभावित होगा और पहले से सुस्त प्रशासनिक प्रणाली में और शिथिलता आएगी। आयोग की परीक्षाओं में कई अभ्यर्थी अपनी प्रतिभा के बल पर सफल हुए थे। अब उनकी नौकरी संकट में है, तो इसका उत्तरदायी कौन है? उनका दोष क्या है? उनके परिवारों का भरण-पोषण कैसे होगा? गरीब और मध्यवर्गीय परिवार में किसी व्यक्ति की सरकारी नौकरी जाना आजीविका पर सवाल है। आंदोलन कर रहे छात्रों की मांग सही है कि परीक्षा प्रणाली में सुधार होना चाहिए। पारदर्शिता और शुचिता के साथ भर्ती प्रक्रिया पूरी होनी चाहिए, मगर इसमें उन ईमानदार अभ्यर्थियों के हितों का भी ध्यान रखना जरूरी है, जो अपनी प्रतिभा के बल पर चयनित हुए हैं।

- विवेक प्रताप सिंह, अलीगढ़, उप्र

बिन पानी सब सून

हम नदियों के जल को समुद्र में बहने से रोक कर उसका उपयोग कर सकते हैं। इसलिए हमें जल को सहेजना होगा। इसके लिए जल संरक्षण के उपाय करना जरूरी है। तभी अल्प वर्षा और सूखे की स्थिति में सहेजे गए जल का उपयोग हम कर सकेंगे। इसके अलावा जल की बर्बादी रोकने के लिए भी पहल की जानी चाहिए। वर्षा जल संचय के लिए लोगों को प्रेरित करना चाहिए, ताकि जल संकट का सामना न करना पड़े। यदि जल को नहीं सहेजा गया, तो एक दिन पानी की कीमत कई गुना बढ़ जाएगी। नदियों में जलकुंभियों और गाद की सफाई भी जरूरी है। बारिश के दिनों में नदियां स्वतः कूड़ा-करकट बहा कर ले जाती हैं, लेकिन बाद में इनमें कोई भी गंदगी और पूजन सामग्री विसर्जित करना अनुचित है। अगर अब भी जल के संरक्षण में कोताही बरती गई, तो भविष्य में ऐसा संकट पैदा होगा, जिससे निपटना आसान नहीं होगा।

- संजय वर्मा 'दृष्टि', धार, मप्र

रूस ने फिर दिखाई मिसाइल ताकत, आईसीबीएम से साधा हजारों किमी का लक्ष्य

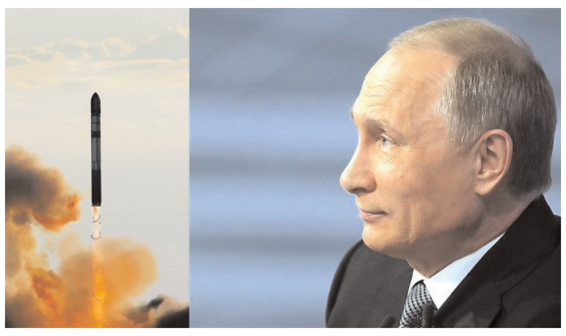

मॉस्को। रूस ने इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का सफल परीक्षण किया है। मिसाइल को उत्तर-पश्चिमी अर्खांगेल्स्क क्षेत्र स्थित प्लेसेत्स्क कॉस्मोड्रोम से लॉन्च किया गया और इसका टेस्ट वॉरहेड देश के सुदूर पूर्व में कामचटका प्रायद्वीप स्थित कुरा ट्रेनिंग रेंज तक पहुंचा।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) ने रक्षा मंत्रालय के शुक्रवार को जारी बयान के हवाले से बताया कि परीक्षण के दौरान निर्धारित सभी लक्ष्य और कार्य पूरी तरह हासिल किए गए। मंत्रालय के अनुसार, परीक्षण से मिसाइल की तकनीकी क्षमता और उड़ान संबंधी विशेषताओं की पुष्टि हुई है।

रूस ने परीक्षण में इस्तेमाल की गई मिसाइल का सटीक नाम नहीं बताया। हालांकि, मंत्रालय ने इसे मोबाइल-लॉन्च सॉलिड-फ्यूल सिस्टम बताया है। यह परीक्षण रूस की स्ट्रैटेजिक मिसाइल फोर्स की एक ट्रेनिंग एक्सरसाइज का हिस्सा था। अभ्यास के दौरान एक मोबाइल आईसीबीएम लॉन्च बैटरी को दूरदराज के इलाके में तैनात किया गया, जिसके बाद मिसाइल लॉन्च करने की पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया।

रूस इससे पहले अपनी अत्याधुनिक आरएस-28 सरमत आईसीबीएम का परीक्षण कर चुका है। रिपोर्टों के मुताबिक, सरमत कई री-एंट्री व्हीकल्स के जरिए भारी परमाणु वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। इसे रूस की रणनीतिक परमाणु क्षमता का अहम हिस्सा माना जाता है।

रिपोर्टों के अनुसार, सरमत के साथ हाइपरसोनिक ग्लाइडर तकनीक का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

पश्चिम के साथ 2022 से पहले वाले संबंध अब संभव नहीं: रूसी विदेश मंत्री

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मॉस्को में इस सप्ताह हुई हाई-लेवल कूटनीतिक गतिविधियों को लेकर बयान दिया है। उन्होंने वेटिकन के वरिष्ठ राजनयिक आर्कबिशप पॉल रिचर्ड गैलाघर के साथ हुई बातचीत की जानकारी साझा की, जबकि सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ के रूस दौरे को लेकर उन्होंने बेहद सीमित जानकारी दी।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, गैलाघर और रैटक्लिफ दोनों इस सप्ताह मॉस्को पहुंचे थे। इन दौरों को लेकर पूछे गए सवाल पर लावरोव ने कहा कि दोनों मामलों में मॉस्को आने वाले प्रतिनिधियों ने खुद बातचीत की इच्छा जताई थी।

नेपाल में सुरंगों में फंसे लोगों के रेस्क्यू के लिए भारत ने भेजी टीम, 10 टन राहत सामग्री भी पहुंची।

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को 5 साल की सजा, चीनी कंपनी से रिश्वतखोरी के दोषी पाए गए

क्विटो। इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को एक चीनी कंपनी से रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराते हुए पांच साल जेल की सज़ा सुनाई है। अदालत के मुताबिक, मोरेनो ने हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के निर्माण का ठेका दिलाने में मदद करने के बदले रिश्वत ली थी।

अमेरिकी राष्ट्रीय प्रसारण कंपनी एनबीसी के मुताबिक 73 वर्षीय मोरेनो शुक्रवार को अदालत में मौजूद थे। शारीरिक विकलांगता के कारण वे चलने में असमर्थ हैं। अदालत ने उन्हें जेल भेजने के बजाय घर में नजरबंद रखकर सज़ा काटने का आदेश दिया है।

यह मामला उस समय का है जब मोरेनो, पूर्व राष्ट्रपति राफेल कोरिया के कार्यकाल में इक्वाडोर के उपराष्ट्रपति थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वर्ष 2008 से 2018 के बीच एक भ्रष्टाचार नेटवर्क सक्रिय था, जिसने चीन की कंपनी सिनोहाइड्रो से जुड़े प्रोजेक्ट की कुल लागत का करीब 4 फीसदी कमीशन के तौर पर वसूला।

अभियोजकों ने आरोप लगाया कि यह रकम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के जरिए सरकारी अधिकारियों तथा मोरेनो समेत अन्य लोगों तक पहुंचाई गई। मामले में मोरेनो की पत्नी और बेटी को भी दोषी ठहराया गया है और दोनों को 30-30 महीने की सज़ा सुनाई गई है। उनके दो भाइयों और एक जीजा को भी मामले में दोषी पाया गया।

अदालत ने दोषियों को कथित तौर पर अवैध तरीके से हासिल की गई रकम का तीन गुना हिस्सा 90 दिनों के भीतर वापस करने का आदेश दिया है।

मामला चीन की कंपनी सिनोहाइड्रो द्वारा बनाए गए कोका कोडो सिंक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट से जुड़ा है। कंपनी ने वर्ष 2010 में करीब 2 अरब डॉलर की लागत वाले इस प्रोजेक्ट का निर्माण शुरू किया था और 2016 में इसे इक्वाडोर को सौंप दिया। बाद में परियोजना की डिजाइन और निर्माण में कथित खामियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं।

लेनिन मोरेनो इक्वाडोर के तीसरे पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में सज़ा सुनाई गई है। हालांकि, उनके खिलाफ मामला राष्ट्रपति बनने से पहले उपराष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान कथित अपराधों से जुड़ा है।

पूर्व राष्ट्रपति राफेल कोरिया को 2020 में ब्राजील की निर्माण कंपनी ओडेब्रेक्ट से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में आठ साल की सज़ा सुनाई गई थी। कोरिया कई वर्षों से बेल्जियम में रह रहे हैं और वहीं से मामले का सामना कर रहे हैं।

बलूचिस्तान की कोयला खदान में जहरीली गैस से हुई तीन खनिकों की मौत

डुक्की। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के डुक्की जिले में एक कोयला खदान के भीतर जहरीली गैस जमा होने से तीन खनिकों की मौत हो गई। स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, हादसा खदान के अंदर गैस के रिसाव और जमा होने के कारण हुआ।

बलूचिस्तान का ऑनलाइन समाचार नेटवर्क %द बलूचिस्तान पोस्ट% के मुताबिक मृतकों की पहचान बराकजई कबीले के पाई मुहम्मद के बेटे खान, अचकजई कबीले के फतेह मुहम्मद के बेटे सिराजुद्दीन और अफगानिस्तान निवासी अलीजई कबीले के अब्दुल्ला के रूप में हुई है।

हादसे के बाद डुक्की में पाकिस्तान यूनाइटेड वर्कर्स फेडरेशन (पीयूडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष शेर मुहम्मद काकर ने खनन क्षेत्र में सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा उपायों की कमी और कमजोर निगरानी के कारण कोयला खदानों में लगातार हादसे हो रहे हैं।

शेर मुहम्मद काकर ने अधिकारियों से खदानों में सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने और श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने हादसे की परिस्थितियों की जांच कराने की भी अपील की।

बलूचिस्तान के कोयला खदान क्षेत्रों में दुर्घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। जहरीली गैस के जमा होने और अन्य सुरक्षा जोखिमों के कारण यहां कई खनिक अपनी जान गंवा चुके हैं।

ताजा हादसे ने एक बार फिर खनन क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा और सुरक्षा मानकों के प्रभावी पालन को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान अगले हफ्ते करेंगे त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास

सियोल। दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान अगले महीने की शुरुआत में एक बार फिर संयुक्त सैन्य अभ्यास करेंगे। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने शुक्रवार को बताया कि तीनों देशों का बहु-क्षेत्रीय 'फ्रीडम एज' सैन्य अभ्यास 7 से 11 सितंबर तक दक्षिण कोरिया के दक्षिणी तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप ने जेसीएस के हवाले से बताया कि यह अभ्यास जेजू द्वीप के पूर्व और दक्षिण में समुद्री क्षेत्र में होगा। इसमें तीनों देशों की सेनाओं के बीच विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त संचालन और आपसी समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। जेसीएस ने कहा कि 'फ्रीडम एज' अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति का है।

सीपीएल से जुड़ीं शिखा पांडे, यास्तिका भाटिया समेत चार भारतीय महिला क्रिकेटर।

नीरज चोपड़ा चोट के कारण डायमंड लीग फाइनल और एशियाई खेलों से बाहर

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शनिवार को टखने की चोट के कारण मौजूदा सत्र के बाकी सभी मुकाबलों से हटने का फैसला किया। इसके साथ ही वह अगले सप्ताह ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल और सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

28 वर्षीय नीरज ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि लॉजेन डायमंड लीग में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के कुछ समय बाद अभ्यास के दौरान उनके टखने के लिगामेंट में चोट लगी। उन्होंने डॉक्टर और अपनी टीम से चर्चा के बाद पूरे सत्र से बाहर रहने का फैसला किया है।

नीरज ने कहा, कड़ी मेहनत के बाद मुझे आखिरकार लॉजेन में सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ उस लय का एहसास होने लगा था, जिसकी मैं तलाश कर रहा था। दुर्भाग्य से इसके कुछ समय बाद अभ्यास के दौरान मेरे टखने के लिगामेंट में चोट लग गई। डॉक्टर और टीम से चर्चा के बाद हमने फैसला किया है कि मैं इस सत्र के बाकी हिस्से में हिस्सा नहीं लूंगा।

नीरज का इस सत्र में आखिरी मुकाबला लॉजेन डायमंड लीग था, जहां उन्होंने 88.05 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता था। इससे पहले दोहा डायमंड लीग में वह 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

एशियाई खेलों में पदक का रंग बदलना चाहती हैं आशी चौकसे, बोलीं- 'हम अजेय होंगे'

भोपाल। वर्ष 2018 में निशानेबाजी की दुनिया में कदम रखने वाली भारतीय राइफल निशानेबाज आशी चौकसे अब अपने दूसरे एशियाई खेलों के लिए तैयार हैं। 24 वर्षीय आशी ने पिछले एशियाई खेलों में तीन पदक जीते थे और अब जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपने पिछले प्रदर्शन को स्वर्ण पदक में बदलने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी।

आशी ने 2022 एशियाई खेलों में, जो 2023 में आयोजित हुए थे, महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

पिछले एशियाई खेलों का अनुभव आशी के लिए आगामी प्रतियोगिता में काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि अब इस स्तर की प्रतियोगिता में प्रदर्शन करने की बेहतर समझ और आत्मविश्वास है।

आशी ने एक बयान में कहा, एशियाई खेल ओलंपिक के बाद सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में से एक हैं और मैं पहले भी वहां हिस्सा ले चुकी हूं। मैंने उस मंच पर प्रदर्शन किया है और मुझे पता है कि वहां क्या करना होता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल मंत्री ने दिया फिटनेस का संदेश, हर सप्ताह एक घंटा मैदान में बिताएं

नई दिल्ली। महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की 121वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को देशभर में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में विशेष खेल कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए।

इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस का मुख्य आकर्षण राष्ट्रव्यापी 'एक घंटा खेल के मैदान में' अभियान रहा। इसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को कम-से-कम एक घंटा खेल और शारीरिक गतिविधियों के लिए समर्पित करने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मनसुख मांडविया और अर्जुन राम मेघवाल ने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ की। सुबह आठ बजे से सैकड़ों प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल एवं फिटनेस गतिविधियों में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने कहा कि 'एक घंटा खेल के मैदान में' अभियान का उद्देश्य फिट इंडिया आंदोलन को मजबूत करना और लोगों को खेलों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा, मेजर ध्यानचंद की 121वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर देशभर में 'एक घंटा खेल के मैदान में' कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य फिट इंडिया आंदोलन को बढ़ावा देना है।

खेल मंत्री ने कहा कि देशभर में लाखों युवा सड़कों और मैदानों में एक घंटे खेलने के लिए सक्रिय रूप से आगे आ रहे हैं। डॉ. मांडविया ने कहा, नए भारत के निर्माण के लिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर व्यक्ति स्वस्थ रहे और समाज स्वस्थ हो। यही हमें एक समृद्ध राष्ट्र बनाने में मदद करेगा। आइए, हर सप्ताह एक घंटा खेल के मैदान में बिताएं और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए नियमित खेल और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से तनावमुक्त रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा, खेल हमेशा मेरे जीवन का हिस्सा रहे हैं। कबड्डी और फुटबॉल से लेकर लगभग हर दिन बैडमिंटन खेलने तक, खेल मेरे जीवन का हिस्सा हैं। मेरा व्यक्तिगत मंत्र है- सुबह संगीत और शाम को खेल।

एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप के लिए चीन रवाना हुई भारतीय जूनियर हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम शनिवार को एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए चीन के मोकी रवाना हो गई। प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 13 सितंबर तक होगा। 18 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान मिडफील्डर खैदेम शिलैमा चानू संभालेंगी।

नवनियुक्त मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए लंबे समय तक तैयारी की है। टीम ने इस साल गर्मियों में ब्रिटेन का महत्वपूर्ण दौरा भी किया, जहां उसे शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिला।

5 से 14 जुलाई तक एडिनबर्ग और लिलेशल में हुए ब्रिटेन दौरे के दौरान भारत ने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम के अलावा अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ कुल सात मुकाबले खेले। भारत ने अमेरिका को 6-0 से हराया, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो मुकाबलों में 2-0 की जीत दर्ज की। अमेरिका के खिलाफ एक अन्य मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद भारत ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की।

इस दौरे से भारतीय टीम को स्कॉटलैंड की अनुभवी सीनियर टीम और बेल्जियम की मजबूत अंडर-21 टीम के खिलाफ खेलने का भी अहम अनुभव मिला।

रवाना होने से पहले मुख्य कोच टिम व्हाइट ने कहा, टीम एशिया कप के लिए चीन जाने को लेकर काफी उत्साहित है। हमारी तैयारी अच्छी रही है।

फरार सीएसपी सहित दोनों आरोपियों पर 10-10 हजार का इनाम

जमीन फर्जीवाड़े में एसआईटी की घेराबंदी तेज, संभावित ठिकानों में पुलिस दबिश

कटनी। कटनी के बहुचर्चित जमीन सौदा और फर्जीवाड़े के मामले में घिरीं निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया, मुख्य फाइनेंसर क्षितिज राज बारापात्रे और कागजी खरीदार मारूफ अहमद हनफी की मुश्किलें हर गुजरते दिन के साथ बढ़ती जा रही हैं। कुठला थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद से फरार चल रहे तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर पुलिस महकमे ने 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया है।

अग्रिम जमानत खारिज

गिरफ्तारी के संकट से जूझ रहीं निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया ने कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल कर रखी है। इससे पहले हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की ओर से दलीलें पेश की गई थीं, लेकिन समय के अभाव के चलते सुनवाई पूरी नहीं हो पाई थी। अदालत ने मामले में अगली तारीख 29 अगस्त तय की थी। समाचार लिखे जाने तक ऐसी जानकारी प्राप्त हो रही थी कि कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी है।

क्या है मामला

यह पूरा मामला हत्या के आरोपी रमेश लोधी को बचाने और पद का दुरुपयोग करने से जुड़ा है। आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर 90 दिनों तक कोर्ट में चालान पेश नहीं होने दिया गया, ताकि आरोपी को डिफॉल्ट जमानत का लाभ मिल सके। इसी के बदले में आरोपी की करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपये मूल्य की जमीन को अपने करीबियों के नाम कौड़ियों के दाम पर लिखवा लिया गया।

मोबाइल स्विच ऑफ, लोकेशन ट्रेस कर रही साइबर सेल

मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद से एसआईटी और पुलिस की टीमें लगातार आरोपियों की धरपकड़ में जुटी हुई हैं। साइबर सेल से मिली लोकेशन के आधार पर पुलिस ने फरार आरोपी मारूफ अहमद हनफी के ठिकाने पर दबिश भी दी थी, लेकिन वह हाथ नहीं आ सका। एफआईआर के बाद से ही तीनों आरोपियों ने अपने मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर रखे हैं। पुलिस अब इनाम घोषित कर साइबर तकनीक और मुखबिर तंत्र के जरिए उनकी घेराबंदी मजबूत कर रही है।

विहिप एवं बजरंग दल ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने एसपी को एक ज्ञापन सौंपकर सीएसपी मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संगठन ने हत्याकांड से जुड़े सभी आरोपियों एवं संबंधित लोगों की भूमिका की जांच कर पूरे मामले की वास्तविकता सामने लाने की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि हत्याकांड में शामिल आरोपियों को बचाने के लिए कथित रूप से राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल किया जा रहा है। संगठन ने कांग्रेस पार्षद मौसूफ अहमद एवं उनके पिता मारूफ अहमद हनफी की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की। इसके साथ ही जमीन के कथित सौदों, संपत्ति के लेन देन और अन्य आर्थिक गतिविधियों की जांच कराने की मांग रखी गई। विहिप बजरंग दल ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि विशेष जांच दल अपनी जांच जल्द पूरी करे और उसके निष्कर्ष सार्वजनिक किए जाएं। संगठन ने फरार मारूफ अहमद हनफी को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। संगठन ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर मामले की जांच पूर्ण कर पूरी सच्चाई समाज के सामने नहीं लाई जाती है, तो विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर ज्ञापन विश्व हिंदू परिषद प्रांत सह संयोजक राहुल दुबे, जिलाध्यक्ष लखन साहू, जिला मंत्री राहुल मिश्रा, जिला संयोजक मनीष दुबे, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख मनोज मिश्रा, अंकुश साहू के नेतृत्व में सौंपा गया।

संक्षिप्त समाचार

हनुमान मंदिर से 22 तोला चांदी का मुकुट चोरी

कटनी। कोतवाली थाने से कुछ ही दूरी पर पुराने न्यायालय भवन में स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हनुमान मंदिर से भगवान का 22 तोला वजनी चांदी का मुकुट और अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। इस घटना से लोगों में रोष व्याप्त हो गया है। मंदिर के पुजारी अनंत राम मिश्रा ने बताया कि जब वे शुक्रवार सुबह रोजाना की तरह पूजा अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे और पट खोले, तो भगवान के सिर पर लगा चांदी का मुकुट गायब था। उन्होंने तुरंत आसपास तलाश की लेकिन मुकुट नहीं मिला। इसके बाद पुजारी ने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी। मंदिर में चोरी की खबर मिलते ही कोतवाली पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुजारी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मंदिर परिसर और न्यायालय मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके। कोतवाली टीआई राखी पांडे ने बताया कि संदिग्धों की तलाश की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया चांदी का मुकुट बरामद कर लिया जाएगा।

सर्कुलेटिंग एरिया से हटवाया गया अतिक्रमण

कटनी। कटनी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। शनिवार को स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया का अधिकारियों द्वारा गहन निरीक्षण किया गया, जिसके बाद परिसर में काबिज अस्थायी अतिक्रमण पर तत्काल कार्रवाई की गई। निरीक्षण टीम में सीसीआई नावेद सिद्दीकी, एमसी एच.के. शुक्ला और सीएचआई बलवेंद्र प्रताप सिंह शामिल रहे। अधिकारियों ने जब सर्कुलेटिंग एरिया का मुआयना किया, तो वहां अव्यवस्थित ढंग से लगे चाय-पान के टपरे और अवैध दुकानें पाई गईं। इन दुकानों के कारण न सिर्फ यात्रियों के आने-जाने का रास्ता बाधित हो रहा था, बल्कि स्टेशन की स्वच्छता पर भी असर पड़ रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही सफाई मित्रों की टीम बुलाई और सर्कुलेटिंग एरिया में फैले तमाम टपरों और अस्थायी निर्माण को पूरी तरह हटवा दिया। कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र की गहन सफाई भी कराई गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रेलवे स्टेशन परिसर को साफ-सुथरा और सुगम बनाए रखना पहली प्राथमिकता है। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि सर्कुलेटिंग एरिया में दोबारा किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियम तोडने वालों पर आगे भी ऐसी ही कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

भाई बहन के रक्षाबंधन के त्योहार त्योहार बनाया है

सागर। भाजपा जिला महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा राहुल नामदेव ने अपने निवास पर् अपनी भांजी (बहिन) से रक्षा सूत्र (राखी) बँधवाई और उन्होंने बताया की भाई- बहन का पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन का त्यौहार ! हमें सिखाता है ! कि हमें अपने भीतर की बुराइयों, नकारात्मकता और स्वार्थ का त्याग कर पवित्रता, प्रेम और सदाचार का जीवन जीना चाहिए !कलाई पर बंधा रक्षा सूत्र (राखी) केवल एक धागा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा पवित्र वादा है जो हमें कमजोर, जरूरतमंद और अपनों की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में मिला हितग्राहियों को लाभ

मैहर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंशानुरुप आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर का आयोजन पर्यटन सूचना केंद्र मैहर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों द्वारा आवेदनों की जानकारी लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई एवं पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। शिविर में कुल 32 शिकायतें सामने आई जिनमें 10 का निराकरण मौके पर और 22 शिकायतों का निराकरण अविलंब करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को दिए गए। कार्यक्रम में सतना सांसद गणेश सिंह, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, मंडल अध्यक्ष विकास तिवारी, कलेक्टर विदिशा मुखर्जी, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, वन मंडलाधिकारी विद्याभूषण मिश्रा, अपर कलेक्टर संजना जैन, एसडीएम दिव्या पटेल, सीईओ अशोक तिवारी, पशु चिकित्सक डॉ. पीके द्विवेदी, सीएमओ प्रिंस अग्रवाल, सीएसपी महेन्द्र सिंह चौहान, तहसीलदार जितेंद्र पटेल एवं पर्यावरण विभाग से राजेश कुमार शर्मा सहित गणमान्य नागरिकों में सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी, कुलदीप तिवारी भक्ती शर्मा, दीप्ति सिंह, सत्यभान सिह तथा महेश तिवारी सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं आम जनता की उपस्थिति रही।

नवदीप शेमरॉक स्कूल में मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

मैहर। नवदीप सेमरांक स्कूल जो अपनी गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है ने हमेशा की तरह इस वर्ष भी बच्चों के साथ रक्षाबंधन पर्व उत्साह पूर्वक मनाया। इसमें बच्चों ने स्वयं राखियाँ बनाईं तथा शिक्षिकाओं से राखी बनाना सीखा। लड़कों ने बहनों के लिए सुंदर कार्ड बनाए। रंग बिरंगे गुब्बारों आदि से विद्यालय को सजाया गया जहाँ बच्चों ने तिलक लगाकर राखी बाँधी, आरती उतारी और एक दूसरे को पर्व की बधाई दी। बच्चों ने रक्षाबंधन पर्व की सुंदर ड्रॉइंग भी बनाई। संगीत शिक्षक ने भाई बहन के गीत ढोलक व हारमोनियम की थाप पर गवाए। इसके साथ ही बच्चों ने मेहंदी लगाना भी सीखा और अभ्यास किया ताकि वे घर जाकर अपनी माताओं के हाथों पर सुंदर मेहंदी लगा सकें। संस्था डायरेक्टर श्रीमती दीप्ति सिंह ने सभी बच्चों को पर्व के उद्देश्य का ज्ञान दिया और लिखवाया कि इस त्योहार का अर्थ भाई बहन का प्यार विश्वास एवं हमेशा के लिए साथ निभाना है न कि बच्चे महंगे कपड़े, महंगी राखी या उपहार की कामना अभिभावकों से करें। श्रीकृष्ण की उंगली कटने पर द्रौपदी ने अपने दुपट्टे का किनारा फाड़कर उनकी उंगली पर बाँधा था। वहीं से इस त्योहार की परंपरा शुरू हुई। इसलिए बच्चे आडंबर में न पड़कर मन से इस रिश्ते को निभाना चाहिए। अंत में आभार चेयर मैन नागेंद्र सिंह द्वारा व्यक्त किया गया।

पेड़ों को भाई मानकर बांधी राखी, लिया जंगल की रक्षा का संकल्प

मैहर। रक्षाबंधन का पर्व आमतौर पर भाई बहन के स्नेह विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक माना जाता है लेकिन जैव विविधता प्रबधंन सभापति जनपद पंचायत प्रिया प्रभात द्विवेदी ने इस पर्व को प्रकृति के साथ रिश्ते की डोर से जोड़ते हुए एक अनूठी मिसाल पेश की गई। जनपद सदस्य श्रीमती प्रिया प्रभात द्विवेदी ने अपने परिवार सहित पेड़ों को अपना भाई मानकर उनके तिलक किया, राखी बांधी आरती उतारी और उनकी रक्षा का संकल्प लिया। इस अनोखे रक्षाबंधन में भावनाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण का गहरा संदेश भी दिखाई दिया। पेड़ों की कलाई पर बांधी गई राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि उस जिम्मेदारी का प्रतीक बनी जिसके बिना आने वाली पीढ़ियों का सुरक्षित भविष्य संभव नहीं है। इस अवसर पर प्रिया प्रभात द्विवेदी ने कहा कि मनुष्य अपने भाई से रक्षा का वचन लेता है लेकिन प्रकृति बिना किसी अपेक्षा के हर दिन हमारी रक्षा करती है। पेड़ हमें सांस लेने के लिए प्राणवायु देते हैं, गर्मी से राहत देते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित रखने में भूमिका निभाते हैं और पक्षियों से लेकर असंख्य जीव जंतुओं को आश्रय प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम पेड़ों को भाई मानकर राखी बांधते हैं तो यह केवल एक प्रतीकात्मक परंपरा नहीं रह जाती बल्कि उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी हमारे ऊपर आती है। पेड़ सुरक्षित रहेंगे तो जंगल सुरक्षित रहेंगे, जंगल सुरक्षित रहेंगे तो जल, मिट्टी, वन्यजीव और मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा।

रक्षाबंधन पर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने रावतपुरा सरकार को बांधी राखी, लिया आशीर्वाद

सागर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर सागर विधायक श्री शैलेंद्र कुमार जैन एवं पूर्व विधायक श्री सुनील जैन ने परिवार सहित वेदांती स्थित पूज्य संत श्री श्री रविशंकर जी महाराज (रावतपुरा सरकार) के आश्रम पहुंचकर उन्हें राखी बांधने का सौभाग्य प्राप्त किया।

इस अवसर पर विधायक श्री जैन ने पूज्य महाराज जी से स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। संत के सान्निध्य से उनका मन आध्यात्मिक आनंद एवं श्रद्धा से भर गया।

विधायक श्री जैन ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व है। यह पर्व हमारी सनातन संस्कृति के पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों को और अधिक मजबूत करता है।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं प्रेम बना रहे और समाज में आपसी भाईचारा एवं सद्भाव निरंतर कायम रहे।

इस अवसर पर विधायक श्री शैलेंद्र कुमार जैन ने समस्त सागरवासियों एवं प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

त्यौहार पर बांटी मिठाई में मिले कॉकरोच और कीड़े, कर्मचारियों में आक्रोश

जबलपुर। गन कैरिज फैक्ट्री (जीसीएफ) प्रशासन द्वारा त्योहार के अवसर पर कर्मचारियों को वितरित की गई मिठाई में कॉकरोच और कीड़े मिलने का मामला सामने आने के बाद फैक्ट्री परिसर में हड़कंप मच गया। शनिवार को मिठाई की गुणवत्ता को लेकर कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। श्रमिक संगठन 'मिले हाथ' ने घटना को गंभीर लापरवाही बताते हुए तत्काल निष्पक्ष जांच कराने और मिठाई के नमूने फूड टेस्टिंग के लिए भेजने की मांग की है।

श्रमिक संघ का आरोप है कि इंडस्ट्रियल कैंटीन में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, स्वच्छता और रख-रखाव को लेकर पहले भी शिकायतें सामने आती रही हैं। इसके बावजूद व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं किया गया। त्योहार के मौके पर कर्मचारियों को वितरित मिठाई के डिब्बों में कथित तौर पर कॉकरोच और कीड़े मिलने से कैंटीन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि इंडस्ट्रियल कैंटीन में भोजन की स्वच्छता और खाद्य सामग्री के रख-रखाव को लेकर लंबे समय से शिकायतें की जाती रही हैं। उनका आरोप है कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। कर्मचारियों ने मांग की है कि कैंटीन में खाद्य पदार्थों की नियमित जांच के साथ ही समय-समय पर औचक निरीक्षण भी कराया जाए।

'मिले हाथ' संघ ने प्रशासन से मिठाई के नमूने तत्काल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजने, रिपोर्ट सार्वजनिक करने और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

बेलाताल टापू मंदिर में अखंड हरिनाम संकीर्तन का समापन, भंडारे का हुआ आयोजन

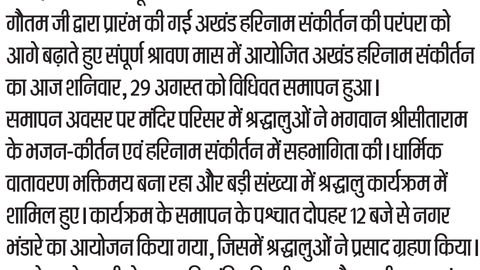

दमोह। बेलाताल टापू मंदिर के संस्थापक गोलोकवासी पंडित बिहारी लाल गौतम जी द्वारा प्रारंभ की गई अखंड हरिनाम संकीर्तन की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संपूर्ण श्रावण मास में आयोजित अखंड हरिनाम संकीर्तन का आज शनिवार, 29 अगस्त को विधिवत समापन हुआ।
समापन अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीसीताराम के भजन-कीर्तन एवं हरिनाम संकीर्तन में सहभागिता की। धार्मिक वातावरण भक्तिमय बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन के पश्चात दोपहर 12 बजे से नगर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आलोक गोस्वामी ने बताया कि पंडित बिहारी लाल गौतम जी द्वारा प्रारंभ की गई यह धार्मिक परंपरा श्रद्धा और भक्ति के साथ निरंतर आगे बढ़ाई जा रही है। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया। भंडारे में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने भी दर्शन कर प्रसादी ग्रहण की। मंदिर समिति अध्यक्ष डॉ आलोक गोस्वामी, पंडित कपिल दुबे, बुंदेलखंड की प्रसिद्ध कथावाचक पंडित कमलेश्वरानंद जी महाराज, पंडित योगेश गौतम, पंडित गिरीश मिश्रा, डब्बू ताम्रकार, राहुल ताम्रकार, राकेश अग्रवाल, पंडित ओम तिवारी, ज्ञानचंद यादव, अमित राय, भूपेंद्र शर्मा, वीरेंद्र पाटकर, भोले चौरसिया, भोली वर्मा, मनीष आहूजा, विक्की चावला, अजय रैकवार, प्रकाश विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता निभाई।

नाबालिग को ब्लैकमेल एवं जान से मारने की धमकी देकर कराई गई लाखों रुपये की चोरी का खुलासा

लगभग 13 लाख रुपये नगद एवं 250 ग्राम सोने के आभूषण सहित कुल लगभग 54.37 लाख रुपये का मशरूका बरामद

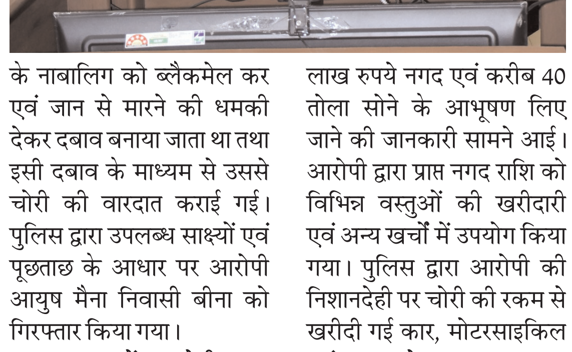

सागर। अपराधों की रोकथाम एवं लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण हेतु पुलिस अधीक्षक सागर श्री अनुराग सुजानिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना श्री जयवीर सिंह भदौरिया, अति0 पुलिस अधीक्षक श्री नरेन्?द्र सोलंकी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जा रही लगातार मॉनिटरिंग तथा एसडीओपी बीना श्री अजय कुमार सनकत के नेतृत्व में थाना बीना पुलिस द्वारा चोरी के एक गंभीर प्रकरण का सफल खुलासा किया गया है।

घटना का संक्षिप्त विवरण- फरियादी परिवार वर्तमान में अपने नए मकान में निवास कर रहा था, जबकि परिवार के पुराने पैतृक मकान में नगद राशि, सोने के आभूषण एवं अन्य कीमती सामान सुरक्षित रखा हुआ था। दिनांक 17.06.2026 को पुराने मकान में रखे सामान की जांच करने पर नगद राशि एवं कीमती सामान गायब होना पाया गया, जिस पर फरियादी द्वारा थाना बीना में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। चोरी की सूचना प्राप्त होते ही थाना बीना पुलिस द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल की बारीकी से जांच, आसपास के लोगों से पूछताछ, संदिग्धों की तस्दीक, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण एवं अन्य सभी संभावित पहलुओं पर लगातार कार्य किया गया।

जांच में हुआ चोरी की वारदात का खुलासा- लगातार की गई जांच एवं पूछताछ के दौरान पुलिस के सामने महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए कि आरोपी द्वारा फरियादी परिवार के नाबालिग को ब्लैकमेल कर एवं जान से मारने की धमकी देकर दबाव बनाया जाता था तथा इसी दबाव के माध्यम से उससे चोरी की वारदात कराई गई। पुलिस द्वारा उपलब्ध साक्ष्यों एवं पूछताछ के आधार पर आरोपी आयुष मैना निवासी बीना को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपी द्वारा फरियादी परिवार से लगभग 13 लाख रुपये नगद एवं करीब 40 तोला सोने के आभूषण लिए जाने की जानकारी सामने आई। आरोपी द्वारा प्राप्त नगद राशि को विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी एवं अन्य खर्चों में उपयोग किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी की निशानदेही पर चोरी की रकम से खरीदी गई कार, मोटरसाइकिल एवं अन्य घरेलू सामान बरामद किया गया। आरोपी द्वारा प्राप्त सोने के आभूषण अपने मामा अंकुश बाल्मीक निवासी गुना को दिए जाने की जानकारी सामने आने पर थाना बीना पुलिस द्वारा आरोपी अंकुश बाल्मीक को भी गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से लगभग 250 ग्राम सोने के कीमती आभूषण बरामद किए गए।

आरोपी अंकुश बाल्मीक के कब्जे से बरामद सोने के आभूषण* —- सोने का हार, वजन लगभग 70 ग्राम- सोने की चैन, वजन लगभग 30 ग्राम- सोने का ब्रेसलेट, वजन लगभग 10 ग्राम- 04 सोने की अंगूठियां, वजन लगभग 15 ग्राम- सोने का पेंडल, वजन लगभग 05 ग्राम- एक नग गोल गिन्नी, वजन लगभग 02 ग्राम- 04 सोने के कड़े, वजन लगभग 60 ग्राम- मंगलसूत्र, वजन लगभग 30 ग्राम- सोने की चैन, वजन लगभग 30 ग्राम कुल लगभग 250 ग्राम सोने के जेवरात, अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख बरामद किया गया।

सांदीपनी विद्यालय के अंतिम चरण के निर्माण कार्यों में तेजी लाएं, अलग-अलग टीम लगाकर करें काम: कलेक्टर सोमेश मिश्रा

हैंडओवर से पहले हर कमी दूर करें, कलेक्टर ने किया सांदीपनी विद्यालय सोहागपुर का निरीक्षण

पिपरिया/सोहागपुर (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शनिवार को सांदीपनि विद्यालय सोहागपुर का निरीक्षण कर विद्यालय भवन में चल रहे निर्माण एवं सुधार कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य के अंतिम चरण में शेष रहे सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि विद्यालय में बचे हुए सुधारात्मक कार्यों के लिए अलग-अलग टीम तैनात की जाएं, ताकि सभी कार्य समानांतर रूप से तेज गति से पूरे किए जा सकें। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार किसी कार्य में दो टीमों को भी लगाया जाए, जिससे कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण किया जा सके। उन्होंने प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय सोहागपुर को नियमित रूप से निर्माण एवं सुधार कार्यों की मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें पूर्णता की ओर ले जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने

विद्यालय भवन के विभिन्न कक्षों एवं परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यों की पहचान कर उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई के लिए अतिरिक्त श्रमिक तैनात करने तथा परिसर के प्रत्येक खंड में बारीकी से सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालय भवन के हस्तांतरण से पूर्व पानी, बिजली सहित सभी तकनीकी एवं मशीनी व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित किया कि हस्तांतरण से पूर्व पूरे परिसर का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थान पर बारिश के कारण सीपेज अथवा अन्य समस्या न हो।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने विद्यालय में निर्मित शौचालय एवं बाथरूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों में पानी का उपयोग किया जाएगा, वहां पानी की निकासी एवं सूखने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि पानी परिसर में न फैले और स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देते हुए कहा कि विद्यालय का हस्तांतरण सभी आवश्यक कार्यों की पूर्णता, तकनीकी परीक्षण और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के बाद ही किया जाए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

» न्यूज कैप्सूल »

विप्र बंधुओं ने श्रावणी पर्व मनाया, सामूहिक रूप से किए 56 स्नान

पिपरिया(ब्यूरो)। सनातन संस्कृति के पावन पर्व श्रावणी उपाकर्म के अवसर पर नगर के शोभापुर स्थित प्रसिद्ध बावड़ी वाले मंदिर में विप्र बंधुओं द्वारा सामूहिक धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। महंत पवनसुत दास जी महाराज के सानिध्य और पंडित कन्हैया व्यास के आचार्यत्व में वैदिक परंपराओं के अनुसार विप्र बंधुओं ने सामूहिक रूप से 56 प्रकार के पावन स्नान किए। मान्यता है कि इस स्नान से तन, मन के साथ-साथ आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है।

पवित्र स्नान के उपरांत विप्र बंधुओं द्वारा सप्त ऋषियों का विधि-विधान से पूजन किया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नूतन यज्ञोपवीत (जनेऊ) धारण किया गया। कार्यक्रम के दौरान महंत पवनसुत दास पांडे ने बताया कि यह पर्व जहां भाई-बहन के पवित्र संबंधों को प्रगाढ़ करता है, वहीं जंबू द्वीप और आर्यावर्त की भौगोलिक व वास्तविक स्थिति से भी परिचय कराता है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण सृष्टि के मूलाधार में रहे हैं, इसलिए महासंकल्प के दौरान अपनी भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखकर औषधीय स्नान किया जाता है। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में विप्र बंधु और स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महिला कर्मचारियों ने वृक्षों को रक्षासूत्र बांधकर दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

पिपरिया(ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद के पास स्थित दीनदयाल पार्क में नगर पालिका की महिला कर्मचारियों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने पेड़-पौधों को राखी बांधकर प्रकृति संरक्षण का एक अनोखा और प्रेरणादायक संदेश दिया।शासन के निर्देशानुसार, रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम नगर पालिका सीएमओ सतीश मालवीय के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान महिला कर्मचारियों ने पर्यावरण को बचाने और पेड़ों की देखरेख करने का संकल्प लेते हुए उन्हें रक्षासूत्र भेंट किए। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर इस अभियान में हिस्सा लिया और पौधों की रक्षा करने की शपथ ली।इस गरिमामयी अवसर पर नगर पालिका सीएमओ सतीश मालवीय, मुकेश पठारिया, राजस्व निरीक्षक (आरआई) रूपेश मौर्य, अरुण राजपूत, शिवम दुबे, महेंद्र दुबे, प्रभा दोहरे, दीप्ति भार्गव, ममता, धर्मेंद्र शर्मा, प्रदीप पटेल, गगन पटेल, सोनू पांडे और सौरभ श्रीवास्तव सहित नगर पालिका के तमाम महिला व पुरुष कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बरगी बांध के सभी गेट बंद, जलस्तर 421.15 मीटर पर

जबलपुर। रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना के बरगी बांध में पानी की आवक कम होने के बाद शनिवार शाम 4.30 बजे बांध के सभी गेट बंद कर दिए गए। शनिवार शाम 4 बजे बांध का जलस्तर 421.15 मीटर दर्ज किया गया। इस दौरान बांध में 582 क्यूमेक की दर से वर्षा जल की आवक हो रही थी।

बरगी बांध का पूर्ण जलभराव स्तर 422.76 मीटर निर्धारित है। वहीं, बांध के ऑपरेशनल मैन्युअल के अनुसार 31 अगस्त तक जलस्तर को अधिकतम 422.50 मीटर तक रखा जा सकता है।

पानी की आवक में कमी को देखते हुए बांध प्रबंधन ने जल निकासी के लिए खोले गए सभी गेट बंद कर दिए हैं।

बांदकपुर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान चोरी की बिजली से हीटर चलते मिले

दमोह। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बांदकपुर को विगत कुछ समय से विभिन्न माध्यमों से लगातार शिकायतें व सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं कि ग्राम बांदकपुर गुंजी केवलारी सलैया बलारपुर बम्होरी सहित कुछ अन्य क्षेत्रों में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं द्वारा अनाधिकृत रूप से विद्युत ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है। प्राप्त शिकायतों में यह भी बताया गया था कि कुछ लोगों द्वारा विद्युत कनेक्शन एवं मीटरों से छेड़छाड़ कर तथा अवैध रूप से हीटर व अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग कर विद्युत चोरी की जा रही है, जिससे कंपनी को राजस्व की हानि हो रही है व क्षेत्र के नियमित विद्युत उपभोक्ताओं को कम वोल्टेज, ओवरलोडिंग तथा बार-बार विद्युत व्यवधान जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्राप्त सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. दमोह अधीक्षण अभियंता श्री अमित कुमार चौहान एवं

कार्यपालन अभियंता दक्षिण संभाग श्री एम.एल साहू दमोह निर्देश में बांदकपुर वितरण केन्द्र में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता श्री सपनेश धुर्वे द्वारा एक विशेष सघन जांच व छापामार अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत कनिष्ठ अभियंता बांदकपुर एवं कर्मचारियों द्वारा चिन्हित क्षेत्रों में अचानक दबिश दी गई तथा विद्युत कनेक्शनों, मीटरों व विद्युत उपयोग की स्थिति का मौके पर निरीक्षण किया गया व पंचनामा तैयार किए गये। कार्यवाही के दौरान कई स्थानों पर विद्युत उपयोग में अनियमितताएं पाई गई। जांच के समय यह पाया गया कि कुछ उपभोक्ताओं द्वारा घरेलू विद्युत कनेक्शनों का उपयोग अनधिकृत रूप से अधिक भार वाले हीटरों एवं अन्य विद्युत उपकरणों के संचालन के लिए किया जा रहा था। कनिष्ठ अभियंता बांदकपुर सपनेश धुर्वे द्वारा द्वारा मौके से कुल 5 हीटर जप्त किए गए। साथ ही संदिग्ध एवं अनियमित मामलों का विवरण संकलित कर संबंधित उपभोक्ताओं के विरुद्ध विद्युत अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ की गई है। सघन चेकिंग में कर्मचारी पवन प्रजापति, ऐना सिंह, नितिन पटेल, चेनू सिंह, नारायण तिवारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के बाद बहन की मौत की खबर से सदमे में डूबा परिवार

दमोह। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर दमोह क्षेत्र में एक के बाद एक दिल दहला देने वाले घटनाक्रम सामने आ रहे हैं.. रक्षाबंधन के दिन एक ही परिवार के तीन सदस्यों द्वारा ट्रेन के सामने खुद कर जान देने का घटनाक्रम सामने आया था इस परिवार का अभी अंतिम संस्कार भी नहीं हो पाया था कि एक स्कूली छात्रा द्वारा फांसी लगाकर जान दे देने के दुखद घटनाक्रम ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। यह दुखद घटनाक्रम दमोह नगर के बड़ापुरा क्षेत्र से सामने आया है जहाँ भाईयों को राखी बांधने के बाद एक 17 साल की किशोरी ने फांसी के फंदे पर झूल कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली.घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उसे

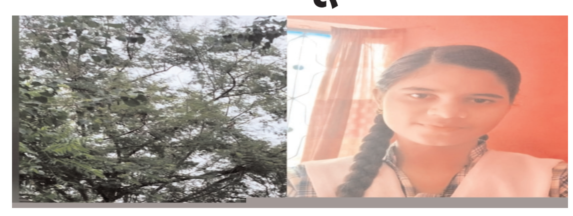

तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है जुगराज अहिरवार की बिटिया ईशा उम्र करीब 17 वर्ष, एमएलबी स्कूल में कक्षा 11वीं की छात्रा थी. शुक्रवार को रक्षाबंधन के दिन उसने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी थी मिठाई खिलाई थी परिवार में हंसी खुशी से मिलजुल कर त्यौहार मनाते रहे थे. अचानक ना जाने क्या हुआ कि ईशा कमरे में जाकर फांसी के फंदे पर झूल गई. बाद में परिजन जब तक इस लेकर जिला अस्पताल पहुंचे तब तक देर हो चुकी थी.. कोतवाली पुलिस ने शनिवार सुबह शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौपते हुए जांच शुरू कर दी हैं। फ़िलहाल आत्म हत्या का कारण अज्ञात है। पुलिस ने मृतिका के मोबाइल से कॉल डिटेल के आधार पर जांच को आगे बढ़ने का प्रयास किया हैं। इधर इस दु:खद घटनाक्रम से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है।

आरएनए ग्राउंड पर मना राष्ट्रीय खेल दिवस: दिल्ली सुब्रतो कप की खिलाड़ी बेटियां हुईं सम्मानित

पिपरिया (ब्यूरो)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती (राष्ट्रीय खेल दिवस) आरएनए ग्राउंड स्कूल में उत्साहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने मेजर ध्यानचंद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर नगर का गौरव बढ़ाने वाली सांदीपनि शासकीय आरएनए उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरिया की अंडर-17 बालिका फुटबॉल टीम की खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस टीम ने दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित सुब्रतो कप में सहभागिता कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सम्मान समारोह के बाद ग्राउंड पर एक रोमांचक फुटबॉल मैत्री मैच का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित खेल प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद की जीवनी और खेल के प्रति उनके समर्पण व खूबियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बच्चों को ध्यानचंद जी के जीवन से प्रेरणा लेकर खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य रूप से विकासखंड खेल प्रभारी अरविंद शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण समन्वयक प्रीतम सिंह पुर्विया, खेल शिक्षक सचिन पुर्विया, देवेंद्र अंकारे, सौरभ कहार, राशिद शाह, भरत पटेल, वृंदा यादव, राज बाथरे, राघवेंद्र अहिरवार, राष्ट्रीय खिलाड़ी शिवम पुर्विया और नमन मुरलीवार सहित बड़ी संख्या में उभरते हुए खिलाड़ी उपस्थित रहे।

श्रीजी के विमान के साथ धूमधाम से निकली चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा

दमोह। सकल जैन समाज के द्वारा शनिवार को सिटीनल से श्रीजी के विमान के साथ भरत चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा धूमधाम से निकाली गई। इस अवसर पर आर्यिका रत्न चिंतनमति माताजी का ससंघ सानिध्य प्राप्त हुआ। नगर के श्री पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हे मंदिर जी में आयोजित 16 दिवसीय श्री शांतिनाथ महामंडल विधान के समापन पर शनिवार को त्रिमूर्ति जिनालय परिसर में समवशरण में विराजमान 12 जिन बिंबों की अभिषेक शांतिधारा संपंन हुई। तत्पश्चात देव शास्त्र गुरू पूजन, शंतिनाथ पूजन, सोलह कारण पूजन, जिनवाणी पूजन,

आचार्यश्री पूजन के बाद विश्व शांति महायज्ञ ब्रह्मचारी स्वतंत्र भैया, रोहित भैया एवं अभिषेक भैया के निर्देशन में संपंन हुआ। इसके बाद पूज्य आर्यिका रत्न चिंतनमति जी, सारमती जी, एवं जागृतमति माताजी के ससंघ सानिध्य में भरत चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा प्रारंभ हुई। जिसमें बैड डीजी की धुन पर सबसे आगे आकर्षक रथ पर भरत चक्रवर्ती श्री दीपक जी नम्रता जी फुटेरा वाले परिवार के साथ सौधर्म इंद्र मनीषा राजेंद्र अटल परिवार सवार थे। दूसरे रथ पर सौधर्म इंद्र श्री रूपचंद जी नवीन निराला परिवार एवं तीसरे रथ पर सौधर्म इंद्र श्रीमती प्रभजन ब्रह्मचारी नीलू दीदी एवं स्वतंत्र भैया परिवार सवार था। इसके पीछे श्रीज के चांदी के विमान को श्रावक जन हाथों से खींचते हुए चल रहे थे। शोभयात्रा सिटनल से प्रारंभ होकर पुराना थाना टॉकीज घंटाघर नया बाजार होते हुए जैन धर्मशाला से कार्यक्रम स्थल पहुंचकर संपंन्न हुई। जहां श्रीजी के अभिषेक पश्चात आर्यिका श्री चिंतनमति माताजी के मंगल प्रवचन रूपी आर्शीवाद सभी को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर ब्रम्हचारी स्वतंत्र भैया का सम्मान मंदिर कमेटी द्वारा किया गया। सभी आयोजनों में जैन पंचायत के अध्यक्ष सुधीर सिंघई कुंडलपुर कमेटी के पूर्व अध्यक्ष संतोष सिंघई, महेश दिगंबर, अभय बनगाय, नवीन निराला, राजकुमार खजरी, राजेश हिनौती, मनीष बजाज, रीतेश गांगरा शोशम वाले, जितु मलैया, मनीष आउट लुक, नीतेश दाल, नवकार महिला मंडल सहित बड़ी संख्या में सकल जैन समाज की सहभागिता रही।

हजारों बहनों ने सांसद को बांधी राखी, भुजरिया भेंट कर दी दीर्घायु की कामना

सांसद चौधरी बोले- बहनों का स्नेह अमूल्य, सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ा रहूँगा

पिपरिया (ब्यूरो)। जीवन में हरियाली, खुशहाली, उन्नति और आपसी सद्भाव का संदेश देने वाला भुजरिया पर्व देश भर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में होशंगाबाद-नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने अपने पिपरिया स्थित सांसद कार्यालय में इस पारंपरिक त्योहार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया।शनिवार को सांसद कार्यालय का नजारा बेहद भावुक और उत्सव से भरा रहा। क्षेत्र की लगभग 3 हजार लाडली बहनें और नगर की मातृशक्ति भारी संख्या में सांसद दर्शन सिंह चौधरी के कार्यालय पहुंचीं। बहनों ने पारंपरिक गीतों के बीच सांसद चौधरी के माथे पर तिलक लगाया, उन्हें भुजरिया भेंट की और कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके दीर्घायु होने की कामना की।भाई का फर्ज निभाया, दिया सुरक्षा का वचन सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने भी एक भाई का फर्ज निभाते हुए सभी बहनों का सहर्ष आशीर्वाद लिया। उन्होंने सभी बहनों को उपहार स्वरूप भेंट दी और हर सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहने का अटूट विश्वास दिलाया। इस दौरान पूरा कार्यालय परिसर भैया-बहन के पवित्र प्रेम और उत्सव के रंग में सराबोर नजर

आया।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने इस अवसर पर कहा, भुजरिया पर्व हमारे जीवन में खुशहाली और हरियाली का प्रतीक है। आज हमारी बहनों ने जो स्नेह और आशीर्वाद मुझे रक्षासूत्र के रूप में दिया है, वह मेरे लिए अमूल्य है। मैं अपनी सभी बहनों की सुख-समृद्धि और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहूँगा।

वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी रहे मौजूद

इस गरिमामय उत्सव के दौरान क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पिपरिया विधायक ठाकुर दास नागवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष हरिशंकर जयसवाल, पूर्व जिला दिशा निगरानी समिति सदस्य अरविंद राय, जनपद सदस्य नरसिंह रावत, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजीव जायसवाल, पूर्व मंडी अध्यक्ष दिनेश पटेल, मंडल अध्यक्ष बलराम ठाकुर, भाजपा नेता नवनीत सिंह नागपाल, नीति राज पटेल, श्रीनिवास सोडानी,गिरधर मह्ल, पवन कहार सहित बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

10 लाख रुपए मूल्य के जेवरात सहित दो आरोपी गिरफ्तार

पिपरिया/बनखेड़ी ब्यूरो। बनखेड़ी पुलिस थाने के अंतर्गत बीते दिनों बोहरा कालोनी में हुई लाखो रुपए की चोरी का पुलिस ने खुलासा किया। एसडीओपी मोहित कुमार यादव व बनखेड़ी थाना प्रभारी विजय सनस ने चोरी के मामले में खुलासा करते हुए बताया कि दिनांक 24 अगस्त 2026 को फरियादी विजय कुमार सोनी निवासी बोहरा कालोनी बनखेड़ी द्वारा थाना बनखेड़ी पर रिपोर्ट की गई कि उनकी माताजी के देहांत होने से दिनांक 21 अगस्त 2026 को वह अपने परिवार सहित गाड़रवाड़ा गये हुये थे । जब दिनांक 24 अगस्त 2026 को वापस आये तो उन्होने देखा कि उनके घर की पहली मंजिल के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर के अंदर रखी अलमारी को तोड़कर उसमें रखे लाखों रुपये मूल्य के सोने के जेवर चोरी कर लिये। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना बनखेड़ी पर अपराध

क्रमांक 235/2026 धारा 331(4),305 (क) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्णा एस. थोटा आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी मोहित यादव को निर्देशित कर थाना प्रभारी बनखेड़ी निरीक्षक विजय सनस के नेतृत्व में थाना बनखेड़ी एवं सायबर सेल नर्मदापुरम की टीम गठित कर आरोपीगण की पतारसी हेतु लगाया गया। उक्त टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये तत्काल मौके पर पहुंचकर घटना स्थल को सील कर घटना स्थल पर फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट एव उनकी टीम को बुलाया गया। घटना स्थल पर से संदिग्धों के फिंगर प्रिंट एकत्रित कराये गये। घटना स्थल के आस पास के करीब 50 से अधिक सी.सी.टी. व्ही फुटेज दिनांक 21 अगस्त 2026 से दिनांक 24अगस्त 2026 तक कुल 4 दिनों के काफी बारीकी से देखे गये । सायबर सेल की सहायता से तकनीकि साक्ष्यों को एकत्रिक कर सभी साक्ष्यों के आधार पर दिनांक 28 अगस्त 2026 को आरोपीगण अमित पिता ओमकार ताम्रकार 33 साल निवासी ग्राम चीचली जिला नरसिंहपुर,दीपक पिता स्व खेमचंद्र सोनी निवासी ग्राम चीचली थाना चीचली जिला नरसिंहपुर को गिरफ्तार कर आरोपीगण के कब्जे से चोरी गये सोने के जेवरात कीमती करीब 10 लाख रुपये के जप्त किये गये।

आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी बनखेड़ी निरीक्षक विजय सनस, सउनि सीताराम अहिरवार, प्र.आर. बद्रीप्रसाद करोचे, प्र.आर. चालक अशोक मांझी, आर. नीलेश कौरव, आर. अभिषेक सोनी, आर. आकाश रघुवंशी, आर. अभिषेक पटेल, आर. लेखराम, आर. राजकुमार, आर. अर्जुन आर. कीरत रघुवंशी, आर. विकास मेहरा, सायबर सेल नर्मदापुरम आर. प्रशांत सिंह राजपूत, आर. दीपेश सोलंकी नगर रक्षा समिति सदस्य अनिल पटेल महत्वपूर्ण भूमिका रही। वही आरोपी अमित पिता ओमकार ताम्रकार के खिलाफ थाना

गाड़रवाड़ा,गोटेगांव,चीचली में मारपीट, चोरी एवं 25 आर्म्स एक्ट, आबकारी एक्ट के मामले दर्ज हैं। वही दूसरे आरोपी दीपक पिता स्व खेमचंद्र सोनी के खिलाफ थाना गाडरवाड़ा में अपराध क्र.308/2010 धारा 379,337,304 ए भादंवि के तहत मामले दर्ज हैं।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अशोक बाई (ASHOK BAI) पत्नी श्री फूल सिंह है जो कि मेरे सभी सरकारी दस्तावेज एवं मेरे पति के सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज है, किंतु मेरे आधार कार्ड नंबर 415136019307 में त्रुटि वश मेरे नाम की स्पेलिंग ASHOF BAI (अशोफ बाई)दर्ज हो गया है जो कि गलत है। अत: अब मुझे मेरे सही नाम (ASHOK BAI) अशोक बाई से ही जाना पहचाना जाए।

पता:
ग्राम अजंदा
गाडरवारा सिखेड़ा
नरसिंहपुर म. प्र.

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को लोक पर्व भुजरिया की दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को स्नेह, सौहार्द और सामाजिक समरसता के लोकपर्व भुजरिया (कजरिया) की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %एक्स% पर कहा कि भुजरिया पर्व हमारी समृद्ध लोक परंपराओं को प्रवाहमान बनाता है। उन्होंने सभी सामान करते हुए कहा कि आइए, इस पावन अवसर पर प्रेम, सद्भाव और समरसता को और सुदृढ़ करने का संकल्प लें।

शिक्षा भी, आर्थिक संबल भी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के शिक्षा पोर्टल के जरिए बीते 2 वर्षों में लगभग 1.25 करोड़ विद्यार्थियों के खातों में सीधे 696 करोड़ रूपए की छात्रवृत्ति का ऑनलाइन भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %एक्स% पर कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेजर ध्यानचंद की जयंती पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हॉकी के जादूगर महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर पुण्य स्मरण कर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन खेल के प्रति समर्पण, अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रेरक मिसाल है। उनका जन्म दिवस पूरे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के संकल्प को सुदृढ़ बनाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर, आधुनिक सुविधाएं और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाओं में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

वन विहार में बटरफ्लाई रक्षा बंधन उत्सव

भोपाल। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में शनिवार 29 अगस्त को तितलियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बटरफ्लाई रक्षा बंधन उत्सव का आयोजन प्रात: 10 से 12 बजे तक भ्रमण के लिये आने वाले पर्यटकों के लिए किया गया। आयोजन प्रकृति, जैव-विविधता और तितलियों के संरक्षण के प्रति समाज में संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। रक्षाबंधन के पावन अवसर को प्रकृति संरक्षण से जोड़ते हुए कार्यक्रम में तितलियों के लिए प्रतीकात्मक रक्षा सूत्र बाँधने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने की गतिविधियाँ आयोजित की गई। इसका संदेश है कि तितलियाँ केवल प्रकृति की सुंदरता का प्रतीक ही नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र एवं परागण प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी भी हैं। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों, युवाओं एवं आम नागरिकों को तितलियों के जीवन-चक्र, उनके आवास, परागण में उनकी भूमिका तथा जैव-विविधता के संरक्षण के महत्व के संबंध में वन विहार की नेचुरलिस्ट कृति जैन एवं गणेश द्वारा जानकारी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोंदारी पहुंचे। ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर सुनी समस्याएं, 225 करोड़ के विकास कार्यों की घोषणा

नक्सल प्रभावित रहे बालाघाट के 100 गांवों में विकास का बड़ा अभियान

नक्सल की दहशत से विकास की रोशनी तक पहुंचेंगे बालाघाट के 100 गांव

मुख्यमंत्री यादव का बड़ा ऐलान—225 करोड़ से बदलेगी गांवों की तस्वीर, सड़क-बिजली-पानी के साथ रोजगार और स्वरोजगार पर जोर

भोपाल/बालाघाट। कभी नक्सल गतिविधियों के प्रभाव से जूझने वाला बालाघाट अब विकास की नई राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को जिले के दूरस्थ और पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे बोंदारी गांव पहुंचे और ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। जनजातीय समाज से सीधे संवाद करते हुए उन्होंने क्षेत्र के विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पशुपालन और मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने का संकल्प जताया। मुख्यमंत्री ने बालाघाट जिले के 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 225 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने की बड़ी घोषणा की।

मुख्यमंत्री की इस घोषणा से नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में विकास की नई तस्वीर उभरने की उम्मीद है। इन गांवों में केवल सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार ही नहीं होगा, बल्कि रोजगार, स्वरोजगार और आजीविका के अवसर भी विकसित किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं और जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।

ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बोंदारी पहुंचकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के औपचारिक मंच से अलग ग्रामीणों के बीच बैठकर क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को समझने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने पशुपालन, आवास, पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार से जुड़े विषय मुख्यमंत्री के सामने रखे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से मिले और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को गति दी जाए। इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री के बोंदारी और कोरका जैसे पूर्व नक्सल प्रभावित गांवों में पहुंचने को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

225 करोड़ से बदलेंगे 100 गांव

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प 'सुरक्षा के साथ विकास और विकास के साथ रोजगार' है। 225 करोड़ रुपये की विकास पहल के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास,

ऊर्जा, शिक्षा, उद्योग, महिला एवं बाल विकास, आयुष, खाद्य, मत्स्य, स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, जनजातीय कार्य और पर्यटन सहित विभिन्न विभागों के माध्यम से काम किए जाएंगे।

इस राशि से सामाजिक और आर्थिक अधोसंरचना मजबूत करने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने पर जोर रहेगा।

सड़क से बाजार, गांव से रोजगार जोड़ने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल सड़क बनाने तक सीमित नहीं है। सड़क को बाजार से, गांव को रोजगार से और युवाओं को अवसरों से जोड़ना जरूरी है। बालाघाट में लघु, छोटे और मध्यम उद्योग, ग्रामोद्योग तथा स्थानीय रोजगारपरक उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

कृषि, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण को ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का माध्यम बनाया जाएगा। गांव में तैयार होने वाले उत्पादों का स्थानीय स्तर पर मूल्यवर्धन कर उन्हें बड़े बाजारों तक पहुंचाने की व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा।

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, रोजगार देने वाला बनाएंगे

मुख्यमंत्री ने युवाओं को कौशल, प्रशिक्षण और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने की बात कही। उनका लक्ष्य युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला स्व-उद्यमी और उद्योगपति बनाना है। महिलाओं और स्व-सहायता समूहों को छोटे उद्यमों और आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर परिवारों की आय बढ़ाने की दिशा में भी काम किया जाएगा। बालाघाट की प्राकृतिक संपदा और सांस्कृतिक विरासत को देखते हुए पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन और जनजातीय पर्यटन को भी बढ़ावा देने की योजना है।

बैगा समाज के विकास का लिया संकल्प

मुख्यमंत्री ने बोंदारी में बैगा समाज के सर्वांगीण विकास को विशेष प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बैगा समाज मध्यप्रदेश की गौरवशाली जनजातीय विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बैगा परिवारों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास, सड़क, बिजली और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बैगा युवाओं को शिक्षा, कौशल, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के साथ पारंपरिक कला, संस्कृति, ज्ञान और स्थानीय उत्पादों को आजीविका तथा बाजार से जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे।

लाड़ली बहनों ने बांधी राखी, खिलाई मिठाई

कार्यक्रम से पहले बालाघाट की लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राखी बांधी और मिठाई खिलाई। मुख्यमंत्री ने भी बहनों के स्नेह को आत्मीयता से स्वीकार किया।

नक्सलमुक्त बालाघाट अब समृद्धि की ओर

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हुआ बालाघाट अब विकास और रोजगार के नए अवसरों के साथ आगे बढ़ेगा। सरकार का अगला लक्ष्य जिले को सुरक्षित के साथ-साथ समृद्ध, आत्मनिर्भर और खुशहाल बनाना है। हर गांव तक विकास, हर युवा को अवसर, हर परिवार की आय में वृद्धि और हर समाज को सम्मान दिलाने की दिशा में सरकार काम करेगी। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक ले जाना सरकार की प्राथमिकता है। बोंदारी में घोषित 225 करोड़ रुपये की पहल इसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

मध्यप्रदेश सरकार की हवाई ताकत में बड़ा इजाफा

325 करोड़ का सरकारी जेट सितंबर में भोपाल आएगा, नवंबर में 200 करोड़ का हेलीकॉप्टर भी होगा बेड़े में शामिल

मुख्यमंत्री और अति विशिष्ट यात्राओं के लिए अक्टूबर से होगा इस्तेमाल; कश्मीर से कन्याकुमारी तक बिना रुके उड़ान भरने में सक्षम

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार का नया अत्याधुनिक चैलेंजर 3500 जेट विमान सितंबर में भोपाल पहुंच सकता है। करीब 325 करोड़ रुपये की कुल लागत वाले इस विमान के 15 सितंबर तक राज्य के विमान स्थल पर पहुंचने की संभावना है। अक्टूबर से इसका इस्तेमाल मुख्यमंत्री सहित अन्य अति विशिष्ट यात्राओं के लिए किया जा सकेगा। विमान को बॉम्बार्डियर कंपनी से खरीदा गया है। विमान की मूल कीमत करीब 250 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि कर और अन्य खर्च जोड़ने के बाद इसकी कुल लागत लगभग 325 करोड़ रुपये होगी।

अमेरिका में प्रशिक्षण ले रहे दो पायलट

विमान के संचालन के लिए मध्यप्रदेश सरकार के दो पायलट विश्वास राय और अरविंद मेहरा को अमेरिका में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद दोनों पायलट विमान को उड़ाकर भोपाल लाएंगे। बॉम्बार्डियर कंपनी विमान की तकनीकी जांच और परीक्षण पूरा करने के बाद इसे प्रदेश सरकार को सौंपेगी। कंपनी करीब एक वर्ष तक रखरखाव में भी सहयोग करेगी। इस दौरान तकनीकी खराबियों को दूर करने के साथ सरकारी कर्मचारियों को विमान के संचालन और रखरखाव का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

पुराने विमान से ज्यादा बड़ा और आधुनिक

नया सरकारी जेट सफेद रंग का होगा और उस पर नीले रंग की पट्टी होगी। विमान पर मध्यप्रदेश सरकार का लोगो भी लगाया जाएगा। इसका वजन करीब 18 हजार किलोग्राम बताया गया है। नया विमान सरकार के मौजूदा पुराने विमान की तुलना में बड़ा और अधिक क्षमता वाला होगा। इसकी सबसे बड़ी खासियत लंबी दूरी तक उड़ान भरने की क्षमता है। यह कश्मीर से कन्याकुमारी तक बिना रुके उड़ान भर सकता है।

लंबी यात्राओं में समय की होगी बचत

चैलेंजर 3500 के शामिल होने से मुख्यमंत्री और अन्य अति विशिष्ट यात्राओं में समय की बचत होने की उम्मीद है। लंबी दूरी की यात्राओं के दौरान विमान को बीच में रोकने या बदलने की जरूरत कम होगी। इससे प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों की यात्राएं अधिक सुविधाजनक हो सकेंगी।

नवंबर में आएगा 200 करोड़ का नया हेलीकॉप्टर

जेट विमान के बाद मध्यप्रदेश सरकार के हवाई बेड़े में एक नया हेलीकॉप्टर भी शामिल होने वाला है। एयरबस का यह हेलीकॉप्टर नवंबर तक प्रदेश में आने की संभावना है। इसे फ्रांस में तैयार किया जा रहा है और इसके संचालन के लिए सरकार के दो पायलटों को फ्रांस में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हेलीकॉप्टर की कीमत करीब 140 करोड़ रुपये है, जबकि कर और अन्य खर्च जोड़ने के बाद इसकी कुल लागत लगभग 200 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

इस तरह आने वाले महीनों में मध्यप्रदेश सरकार के हवाई बेड़े में करीब 525 करोड़ रुपये के दो नए अत्याधुनिक विमान शामिल होने की तैयारी है। इससे मुख्यमंत्री और अन्य अति विशिष्ट यात्राओं के लिए सरकार की हवाई परिवहन क्षमता बढ़ेगी।

मध्यप्रदेश में 6 से 12 वर्ष उम्र के बच्चों के लिए बनेगा हॉकी का फीडर सेंटर

स्क्रीन टाइम घटाएं और एक घंटा खेल मैदान में बिताएं - मंत्री श्री सारंग

राष्ट्रीय खेल दिवस पर भोपाल में मैत्री हॉकी मैच का आयोजन

प्रदेशभर में हुई विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं एवं फिटनेस गतिविधियां

भोपाल। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं एवं फिटनेस गतिविधियां आयोजित की गई हैं। राजधानी भोपाल स्थित मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में मैत्री हॉकी मैचों का आयोजन किया गया। टीटी नगर स्टेडियम में स्पोर्ट्स साइंस सेमिनार, कराते, बॉलीबाल, वेटलिफ्टिंग, फुटबॉल, जूडो, बॉक्सिंग, कुश्ती सहित पैरेंट्स फन गेम्स हुए। इन आयोजनों में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मंत्री श्री सारंग ने 6 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए हॉकी फीडर सेंटर शुरू करने की घोषणा की। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इस फीडर सेंटर में कम उम्र से ही बच्चों की खेल प्रतिभा को उचित प्रशिक्षण एवं मंच देकर उनका समुचित विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा। स्पोर्ट्स साइंस सेमिनार में शामिल होकर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्क्रीन टाइम घटाएं और एक घंटा खेल मैदान में बिताएं, जिससे युवाओं को शारीरिक, मानसिक सहित समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। सेमिनार में पोषण, इंजरी सहित अन्य विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम में पहला मैत्री हॉकी मुकाबला एमपी अकादमी और भोपाल वांडर्स के बीच खेला गया। इसमें एमपी अकादमी ने 3-0 से मैच जीता। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों में उत्साह पैदा किया।

जनता की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण करें: मंत्री कुशवाह

ग्राम जेरोन में जनसंवाद कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायन सिंह कुशवाह प्रदेश में संचालित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत शनिवार को जिला निवाड़ी की तहसील पृथ्वीपुर के ग्राम जेरोन स्थित जिला पंचायत भवन में जनशिकायत निवारण एवं जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समय-सीमा में

निराकरण किया जाना चाहिए, तभी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति को मिल पाता है।

मंत्री श्री कुशवाह ने ग्रामीणजनों की समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को सुना तथा समस्याओं के निराकरण के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और जनसंवाद के माध्यम से सरकार सीधे आमजन तक पहुंच रही है। मंत्री श्री कुशवाह नें कहा कि प्राप्त शिकायतों एवं जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे शासन की योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यों का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंच सके।

जनसंवाद कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती कुसुम पस्तोर, नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री वीरन रैकवार, जिला पंचायत सीईओ श्री रोहन सक्सेना, श्री विजय सोनी, नगर परिषद श्री राजेश दीक्षित सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सागर पुलिस का बड़ा खुलासा | **नाबालिग को बनाया अपराध का मोहरा**

ब्लैकमेल कर नाबालिग से कराई 13 लाख की चोरी, 40 तोला सोना भी हड़पा

जान से मारने की धमकी देकर वारदात कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़; 54.37 लाख की संपत्ति जब्त, कार-बुलेट से लेकर आईफोन और घरेलू सामान बरामद

भोपाल। सागर जिले के बीना में पुलिस ने नाबालिग को ब्लैकमेल कर उससे चोरी की वारदात कराने वाले गिरोह का सनसनीखेज खुलासा किया है। आरोपी ने नाबालिग को ब्लैकमेल करने के साथ जान से मारने की धमकी देकर दबाव बनाया और इसी डर का फायदा उठाकर पुराने पैतृक मकान से लाखों रुपये की नकदी और सोने के आभूषण चोरी करा लिए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर करीब 250 ग्राम सोने के आभूषण समेत 54 लाख 37 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की है।

17 जून को खुली चोरी की वारदात

फरियादी परिवार नए मकान में रहने लगा था, जबकि पुराने पैतृक मकान में नगदी, सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामान रखा हुआ था। 17 जून को सामान की जांच करने पर नगदी और कीमती सामान गायब मिला। इसके बाद थाना बीना में चोरी का प्रकरण दर्ज कराया गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से

पूछताछ शुरू की।

तकनीकी जांच से सामने आई अहम कड़ी

पुलिस टीम ने संदिग्धों की तस्दीक के साथ तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि फरियादी परिवार के नाबालिग को एक आरोपी लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी देकर ऐसा दबाव बनाया कि नाबालिग उसके निर्देशों के अनुसार चोरी करने के लिए मजबूर हो गया।

पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने करीब 13 लाख रुपये नकद और लगभग 40 तोला सोना हासिल करने की बात स्वीकार की।

चोरी की रकम से खरीदी महंगी कारें

पुलिस के मुताबिक चोरी की नकदी को आरोपी ने वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और घरेलू सामान की खरीद में खर्च किया। वहीं चोरी के सोने के आभूषण अपने मामा को सौंप दिए। पुलिस ने आरोपी के मामा को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 38 लाख रुपये के सोने के आभूषण बरामद किए।

बरामद आभूषणों में हार, चैन, ब्रेसलेट, अंगूठियां, पेंडल, गिन्नी, कड़े और मंगलसूत्र शामिल हैं।

कार, बुलेट और आईफोन भी बरामद

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हुंडई कार, मारुति सुजुकी अर्टिगा, रॉयल एनफील्ड बुलेट, आईफोन सहित मोबाइल फोन, एसी, एलईडी टीवी, साउंड बॉक्स, बेड, लोहे का गेट और अन्य घरेलू सामान बरामद किया है। मामले में एक सहयोगी को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अब चोरी की शेष राशि और अन्य संपत्ति का पता लगाने में जुटी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सागर अनुराग सुजानिया के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना जयवीर सिंह भदौरिया के नेतृत्व में थाना बीना पुलिस ने की।

मध्यप्रदेश पुलिस की वाहन चोर गिरोहों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही

अगस्त माह में 124 चोरी किए गए वाहन जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा वाहन चोर गिरोहों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। अगस्त माह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज, मुखबिर तंत्र एवं अन्य वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करते हुए लगभग 124 चोरी किए गए वाहन जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान अंतरजिला एवं अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोहों का पर्दाफाश कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा चोरी की गई लगभग 10 लाख रूपए मूल्य की 17 मोटरसाइकिलें बरामद कीं।

विदिशा पुलिस ने लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं पर कार्रवाई करते हुए मंडी बामोरा के पास से एक शातिर आदतन वाहन चोर को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी की गई 16 मोटरसाइकिलें, अनुमानित कीमत 18 लाख रूपए जब्?त की है। इसके अतिरिक्त गंजबासौदा शहर पुलिस द्वारा 02 चोरी की मोटरसाइकिलें तथा सिविल लाइन पुलिस द्वारा 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर 10 चोरी की मोटरसाइकिलें जब्त की है।

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: ज्ञान सिंह बघेल।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), फोन: 9685229488, ई-मेल: janjanjagran@gmail.com **आर.एन.आई.नं. 58842/94**